बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 85 | गुरुवार 18 जुलाई 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

हरियाणा सरकार का अग्निवीरों को तोहफा

- ✳अग्निवीरों के लिए हरियाणा सरकार को तोहफा
- ✳अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में मिलेगी आयु छूट
- ✳ग्रुप बी और सी नौकरी में मिलेगा आरक्षण

हिसार। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को ग्रुप बी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयुसीमा में तीन साल की छूट देने का एलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने सिविल पदों पर अग्निवीरों की सीधी भर्ती पर आरक्षण की भी घोषणा की है। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार 10 फीसदी आरक्षण देगी। अग्निवीर पीएम मोदी की लोकहित योजना है। अग्निवीर को ग्रुप बी और ग्रुप सी में अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी। अग्निवीरों के घायल होने पर एक कमेटी जांच रिपोर्ट पूरी होने पर इलाज के पैसे दिए जाएंगे। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया जाएगा। वहीं, पीड़ित की मौत हो जाने पर परिजनों को मुआवजा मिले। इसके साथ ही आर्म्स

लाइसेंस की सुविधा सरकार अग्निवीरों को देगी। हरियाणा सीएम नायब सैनी ने कहा कि पुलिस, माइनिंग गार्ड की भर्ती कैटेगरी में 10 फीसदी का आरक्षण मिलेगा हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम इन अग्निवीरों को ग्रुप बी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु में 3 वर्ष की छूट प्रदान करेंगे। अग्निवीरों के पहले बैच के मामले में यह आयु छूट पांच वर्ष होगी। सरकार ग्रुप सी में सिविल पदों पर सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 5% क्षैतिज आरक्षण और ग्रुप बी में 1% क्षैतिज आरक्षण प्रदान करेगी। अग्निवीरों को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपने निवास पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान हरियाणा सीएम ने अग्निवीर योजना पर कहा कि हरियाणा अग्निवीरों को सरकारी सीधी भर्ती में छूट मिलेगी इसके साथ ही अग्निवीर सैनिकों को पांच लाख रुपये तक लोन बिना ब्याज के मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने अग्निवीर के बारे में दुष्प्रचार किया है। सरकार यातायात दुर्घटना में भी मुआवजा देगी। साथ ही अग्निवीरों की सड़क दुर्घटना में घायलों का खर्च भी सरकार उठाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि अग्निवीर को किसी औद्योगिक इकाई द्वारा प्रति माह 30,000 रुपये से अधिक वेतन दिया जाता है, तो हमारी सरकार उस औद्योगिक इकाई को प्रति वर्ष 60,000 रुपये की सब्सिडी देगी...।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो. नं:–9911733939

डोडा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सैन्य अधिकारी समेत चार जवान शहीद

जम्मू।

जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना का एक अधिकारी समेत चार जवान शहीद हो गए। यह मुठभेड़ सोमवार शाम जम्मू संभाग के डोडा कोटी गांव के शिया धार चौंढ माता वन क्षेत्र में शुरू हुई थे। सेना के अधिकारी की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में एक सैन्य अधिकारी समेत पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से एक अधिकारी समेत चार जवानों ने दम तोड़ दिया। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर रखी है। घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को भेजा गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने कल रात सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, ÷विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना और पुलिस की ओर से डोडा के उत्तर क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान जारी किया था। रात लगभग नौ बजे आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी की गयी, सेना की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गयी और मुठभेड़ शुरू हो गयी।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त सैनिकों को इलाके में भेजा गया है। जम्मू कश्मीर उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर जारी शोक संदेश में कहा, 'डोडा जिले में हमारी सेना के जवानों और जम्मू कश्मीर पुलिस कर्मियों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि। शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ।'गौरतलब है कि 24 घंटे पहले उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को ढेर किया था। मारे गए तीनों आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं।

राजनाथ ने चार सैनिकों के शहीद होने पर दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार रात आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में चार सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'डोडा में आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान सेना के चार बहादुर सैनिकों के मारे जाने पर बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले इन सैनिकों के परिवारों के साथ राष्ट्र मजबूती के साथ खड़ा है। आतंकवाद रोधी अभियान जारी है और हमारे सैनिक आतंकवाद का सफाया कर क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं।'मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी सहित चार सैनिक शहीद हुए हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने सुबह सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र त्रिवेदी से बात कर आतंकवाद रोधी अभियान के बारे में जानकारी ली थी।

अब फिलिस्तीन की मदद को आगे आया भारत, 2.5 मिलियन डॉलर की भेजी पहली किस्त

नई दिल्ली। गाजा में महीनों से हमास और इजराइल के बीच युद्ध जारी है जिसमें हजारों बेगुनाह फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है और लाखों बेघर हो गए हैं जो शिविरों में अपनी जिंदगी गुजारने पर मजबूर हैं। इजराइली हमलों के चलते उन तक मदद पहुंचा भी मुश्किल हो रही है। इसी बीच अब फिलिस्तीनी शरणार्थियों की मदद के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त जारी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने 2024-25 के लिए पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर के अपने वार्षिक योगदान के हिस्से के रूप में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त भेज दी है। भारत ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी जिसने 1950 से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए प्रत्यक्ष राहत के कार्यक्रम चलाए हैं। गाजा में इजरायल-हमास युद्ध के बीच अपने कामकाज को बनाए रखने के प्रयास कर रहा है।पिछले कुछ सालों में फिलिस्तीनी शरणार्थियों और उनके कल्याण का समर्थन करने के अपने प्रयास में भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत और सामाजिक सेवाओं सहित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्य कार्यक्रमों और सेवाओं के लिए 2023-24 तक 35 मिलियन अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता फिलिस्तीनी शरणार्थियों को प्रदान की है। हाल ही में न्यूयॉर्क में आयोजित यूएनआरडब्ल्यूए सम्मेलन में भारत ने कहा था कि वित्तीय मदद के अलावा वह एजेंसी के विशिष्ट अनुरोध के आधार पर यूएनआरडब्ल्यूए को दवाएं भी देगा और फिलिस्तीन के लोगों को एक सुरक्षित वक्त पर निरंतर मानवीय मदद की आपूर्ति के लिए अपने वादे को निभाएगा।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत 'अथातो बिंब जिज्ञासा' पुस्तक का 20 जुलाई को करेंगे विमोचन

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मंदिर वास्तु रचना तथा मूर्ति शास्त्र के शोधकर्ता डॉ. गो. बं. देगलूरकर की पुस्तक 'अथातो बिंब जिज्ञासा' का 20 जुलाई को सुबह दस बजे विमोचन करेंगे। यह जानकारी स्नेहल प्रकाशन के निदेशक रवींद्र घाटपांडे ने दी। उन्होंने बताया कि अथातो बिंब जिज्ञासा नामक अनुवादित पुस्तक में महाराष्ट्र की अद्वितीय मूर्तियों की जानकारी है। मूल पुस्तक डॉ. देगलूरकर ने अंग्रेजी में लिखी है जबकि आशुतोष बापट ने उसका मराठी अनुवाद किया है। इस मराठी पुस्तक का विमोचन समारोह 20 जुलाई को पुणे के कोथरूड स्थित बाल शिक्षण मंदिर प्रशाला एम.ई.एस. ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे शुरू होगा।

अमेरिका में बनी एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफलों का इस्तेमाल कर रहे आंतकी

-चीन में बनी बुलेट्स और अल्ट्रा सेट भी चिंता का कारण

नई दिल्ली। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमले में अमेरिकी राइफलों के इस्तेमाल की बात सामने आई है। पिछले कुछ वर्षों से आतंकवादी अमेरिका निर्मित एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफलों का इस्तेमाल करते मिले हैं। इसके बाद सेना ने चिंता जाहिर की हैं कि आतंकियों से पार पाना बेहद मुश्किल होगा। खास बात यह है कि अमेरिका में बनीं इन घातक राइफलों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ हो रहा है। वहीं, कई आतंकी हमलों में चीन में बनी बुलेट्स का भी इस्तेमाल हुआ है।

चीन के बने अल्ट्रा सेट भी जब्त हुए थे

इसके पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ों में ज्यादा एडवांस चीनी टेलीकम्यूनिकेशन इक्विपमेंट 'अल्ट्रा सेट' जब्त किया गया है। दरअसल, पाकिस्तानी सेना द्वारा इस्तेमाल होने वाला यह उपकरण आतंकवादी समूहों के हाथों में पहुंच गया है। इससे नियंत्रण रेखा के पार से होने वाली घुसपैठ और शहरों और गांवों के बाहरी इलाकों में आतंकवादियों के संभावित रूप से रहने की चिंता भी पैदा हो गई है। इन संदेशों को हैंडसेट से पाकिस्तान स्थित मास्टर सर्वर तक चीनी सैटेलाइट का इस्तेमाल किया जाता है, संदेशों को बाइट्स में छोटा करके भेजा जाता है। डिफेंस जानकार जेएस सोढ़ी बताते हैं कि पाकिस्तान ने पंजाब में आतंकवाद का समर्थन किया था। जम्मू-कश्मीर में पिछले 35 साल से वह आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। बीते 5 साल में एक बार ही यानी 24 जून, 2021 को सभी राजनीतिक दलों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को लेकर व्यापक चर्चा की थी। वहीं, सीमा विवाद को लेकर चीन के साथ इसी दौरान 21 बार बातचीत हुई।

डोडा हमले पर बोले राहुल-देश और जवानों के गुनहगार आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई करे सरकार

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए आतंकी हमले को लेकर सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश एकजुटता से खड़ा है, लेकिन सरकार से हम मांग करते हैं कि आतंकवादियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा-आज जम्मू कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे लिखा-एक के बाद एक ऐसी आतंकी घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक है। ये आतंकी हमले जम्मू कश्मीर की जर्जर स्थिति बयान कर रहे हैं। बीजेपी सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा हमारे जवान और उनके परिवार भुगत रहे हैं। हर देशभक्त भारतीय की यह मांग है कि केंद्र सरकार बार-बार हो रही सुरक्षा चूकों की पूरी जवाबदेही लेकर देश और जवानों के गुनहगारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। दुख की इस घड़ी में पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता के साथ खड़ा है।

चुनाव खत्म तो रिश्ता हजम, यही हुआ इंडी गठबंधन के साथः पूनावाला

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं की तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ लगातार की जा रही बयानबाजी पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि फायदे वाली दोस्ती अब खत्म हो रही है और इनका हर राज्य में तलाक हो रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, चुनाव खत्म तो रिश्ता हजम, यही हुआ है इंडी गठबंधन के साथ दिल्ली में। उन्होंने कहा कि जिस गठबंधन में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक साथ आए थे, उस गठबंधन में अब दिल्ली में भी पंजाब की तरह ऐसा तलाक हो गया है कि एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने से बाज नहीं आ रहे। पहले कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी की वजह से हार गए। फिर अभिषेक दत्त ने कहा कि केजरीवाल के भ्रष्टाचार की वजह से हार गए और अब रागिनी नायक ने आप सांसद राघव चड्ढा पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया है, जिसे बाद में हटा दिया गया। पूनावाला ने कांग्रेस-आप के गठबंधन को फायदे की दोस्ती बताते हुए कहा कि इनके गठबंधन में कोई मिशन नहीं बल्कि कमीशन है और सिर्फ मोदी के खिलाफ आना ही इनका लक्ष्य था।

ईवीएम पर शक करने वाले प्रत्याशियों से मॉक पोल कराएगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में आदेश दिया था कि जो भी प्रत्याशी दूसरे और तीसरे नंबर पर आते हैं उन्हें विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र की 5 फीसदी मशीनों की मेमोरी या माइक्रोकंट्रोलर को वेरिफाइ करने का अधिकार है। इसके बाद 1 जून को चुनाव आयोग ने एसओपी जारी की और कहा कि परिणाम के सात दिनों के अंदर ही वेरिफिकेशन के लिए आवेदन करना होगा। साथ ही एक ईवीएम के हिसाब से 40 हजार रुपये का भुगतान करना होगा। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग के पास ईवीएम वेरिफिकेशन के कुल आठ आवेदन आए हैं। आयोग ईवीएम वेरिफिकेशन में मॉक पोल को भी शामिल करेगा जिसमें प्रत्याशी या उनका कोई प्रतिनिधि 1400 वोट डालेगा। इसके बाद देखा जाएगा कि ईवीएम सही काम कर रही है या नहीं। अभी तक बर्न्ट मेमोरी वेरिफिकेशन की टेक्निकल एसओपी फाइनल नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह इसे जारी किया जा सका है। वहीं सूत्रों का कहना है कि चुनाव आयोग मॉक पोल की योजना बना रहा है। इससे

ईवीएम की प्रामाणिकता की जांच हो जाएगी। ईवीएम पर वोट डालने के बाद वीवीपैट भी गिने जाएंगे। मॉक पोल के दौरान प्रत्याशी खुद या फिर कोई प्रतिनिधि वोट डाल सकता है। इसके बाद अगर प्रत्याशी चाहता है तो कंट्रोल यूनिट, बैलट यूनिट और वीवीपैट को जैसे चाहे अरेंज करवाकर देख सकता है। बता दें कि कंट्रोल यूनिट का बटन दबाए बिना कोई भी वोटर वोट नहीं डाल सकता है। वहीं बैलट यूनिट में प्रत्याशियों के नाम होते हैं। वीवीपैट एक स्लिप प्रिंट करता है जिसमें जिस पार्टी को वोट दिया गया होता है, उसका निशान होता है। फिलहाल सबसे पहले बीयू को वीवीपैट से जोड़ा जाता है और वीवीपैट का कनेक्शन सीयू से किया जाता है।

रक्षा मंत्रालय ने देश में ही बनाये जाने वाले रक्षा उत्पादों की पांचवीं सूची जारी की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढावा देने तथा आयात पर निर्भरता को लगातार कम करने के सिलसिले को जारी रखते हुए भविष्य में देश में ही बनाये जाने वाले 346 रक्षा उत्पादों की पांचवीं सूची मंगलवार को यहां अधिसूचित कर दी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इनमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, सिस्टम,सब-सिस्टम, असेंबली, सब-असेंबली, कलपुर्जे और उपकरण तथा कच्चे माल शामिल हैं, जिनका आयात मूल्य 1,048 करोड़ रुपये है। भविष्य में इन उत्पादों की खरीद केवल देश से ही की जायेगी। रक्षा मंत्रालय इससे पहले भी 4666 रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण की चार सूची जारी कर चुका है जिनमें से 3,400 करोड़ रुपये मूल्य के आयात वाले 2,972 उत्पाद पहले ही देश में बनाये जा रहे हैं। इन सूचियों में अत्यधिक जटिल प्रणालियाँ, सेंसर, हथियार और गोला-बारूद शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने घरेलू विक्रेताओं को 7,572 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया है। इन उत्पादों का विनिर्माण सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों तथा लघु और सूक्ष्म इकाईयों में किया जायेगा। इससे अर्थव्यवस्था में विकास को गति मिलेगी, रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा, इससे शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के कारण घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमताओं में वृद्धि होगी। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए 2020 में सृजन पोर्टल की शुरूआत की थी इस पोर्टल पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सेवा मुख्यालय स्वदेशीकरण के लिए एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित उद्योगों को रक्षा उत्पादों की पेशकश करते हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति कोई भी बने उपराष्ट्रपति का होगा भारत से जुड़ाव

ट्रम्प की पार्टी ने जेडी वैंस तो बाइडन ने कमला हैरिस को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पेंसिल्वेनिया में जानलेवा हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के कन्वेंशन में पहुंचे। यहां उन्हें रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना गया। इसके साथ ट्रंप ने ओहायो के सीनेटर जेडी वैंस को पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना, लेकिन इस चुनाव में दोनों पार्टियों की ओर से एक बड़ा भारतीय कनेक्शन सामने आया है। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस की पत्नी उषा चिलुकुरी भारतीय मूल की है। वह सैन फ्रांसिस्को में वरिष्ठ वकील है। उषा के माता-पिता आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के पमारू गांव के रहने वाले हैं। उषा हिंदू हैं जबकि उनके पति वैंस ईसाई हैं।

उषा का जन्म कैलिफोर्निया में हुआ था, लेकिन उनके माता-पिता मूलरूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे, जो बाद में अमेरिका शिफ्ट हो गए। उषा ने येल यूनिवर्सिटी से हिस्ट्री की पढ़ाई की और बाद में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से मॉर्डन हिस्ट्री में मास्टर्स की डिग्री ली है। उषा और वैंस ने 2014 में शादी की थी। दोनों के तीन बच्चे हैं। जेडी ने उषा को बेहतरीन पार्टनर बताया है। फिलहाल वह अपने पति वैंस के चुनाव प्रचार में पूरी तरह से व्यस्त है।

वहीं, देश की मौजूदा उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से इस पद की उम्मीदवार कमला हैरिस है। कमला एक बार फिर इस रेस में हैं। वह भी भारतीय मूल की हैं। हैरिस अमेरिका की पहली महिला उपराष्ट्रपति हैं। हैरिस उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली अश्वेत महिला भी हैं उनकी जड़ें भारत और जमैका दोनों जगहों से जुड़ी हैं। उनकी मां भारत से अमेरिका गई थीं, जबकि उनके पिता जमैका के रहने वाले हैं। तमिलनाडु के तिरुवरुवर के गांव थुलासेंद्रापुरम में कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन रहती थीं. श्यामला गोपालन 19 साल की उम्र में भारत से अमेरिका चली गई थीं। हैरिस सीनेट के तीन एशियाई अमेरिकी सदस्यों में से एक हैं। ओबामा के कार्यकाल में वह फीमेल ओबामा के नाम से लोकप्रिय थीं। 2003 में वह सेन फ्रांसिस्को की शीर्ष अभियोजक बनीं। 2010 में कैलिफोर्निया की अटॉर्नी बनने वाली पहली महिला और पहली अश्वेत थीं। 2016 में वह दूसरी अश्वेत महिला के तौर पर यूएस सीनेटर चुनी गईं। टाइम मैग्जीन ने कमला हैरिस को 2020 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर घोषित किया था।

संविधान हत्या दिवस की आवश्यकता क्यों?

मृत्युंजय दीक्षित

> कुछ लोग संविधान हत्या दिवस नामकरण का विरोध कर रहे हैं कि यह नाम उचित नहीं है जबकि यह नाम पूरी तरह से सही भी है और एकदम सटीक भी क्योंकि कांग्रेस लगातार संविधान की हत्या ही करती आ रही है।6 दिसंबर 1992 को अयोध्या के विवादित ढांचे के टूट जाने के बाद भाजपा शासित चार राज्यों की चुनी हुई सरकार को बिना कारण बर्खास्त कर दिया गया था।शिवसेना नेता संजय राऊत तो दो कदम आगे निकलकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी पर ही आरोप लगा रहे हैं कि वह भी आपातकाल लगा सकते थे। संजय राऊत यह बात भूल गए हैं कि यह अटल जी ही हैं जिन्होंने गठबंधन राजनीति में भी शुचिता की पराकाष्ठा स्थापित की और किसी भी प्रकार का गलत गठबंधन नहीं किया, अपितु अपनी सरकार के एक वोट से गिरने पर सीधे इस्तीफा देने राष्ट्रपति भवन चले गये थे।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन ने एक झूठा नैरेटिव व्यापक स्तर पर चलाया था कि अगर केंद्र में नरेन्द्र मोदी इस बार 400 सीटों के साथ सरकार बनाने में सफल हो जाते हैं तो संविधान बदल दिया जाएगा तथा भविष्य में फिर कोई चुनाव नहीं होगा। इस झूठ ने चुनाव को प्रभावित किया और भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत नहीं ला पाई। चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र में इंडी गठबंधन के नेता संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते दिखाई दिए। संविधान की सुरक्षा को लेकर देश में तीखी राजनीतिक बहस चल रही है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव और शशि थरूर आदि ने संविधान के इसी पॉकेट साइज संस्करण को हाथ में लेकर शपथ ली। विपक्ष का इरादा आगामी विधानसभा चुनाव में भी संविधान की रक्षा करने का नैरेटिव चलाने का है, क्योंकि अब उसे लग रहा है कि संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र की रक्षा के झूठे नैरेटिव के सहारे ही भाजपा का विजय रथ रोका जा सकता है। संविधान की रक्षा के नाम पर दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों आदि को भाजपा से दूर किया जा सकता है।

इस वर्ष देश को कांग्रेस द्वारा आपातकाल के अंधेरे में झोंकने के भी पचास वर्ष हो रहे हैं । संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते लोगों को वास्तविकता का स्मरण कराते हुए संसद के प्रथम संक्षिप्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को याद करते हुए कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष को आईना दिखा दिया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में आपातकाल को सबसे बड़ा काला अध्याय बताया था। आपातकाल कांग्रेस व उसके सहयोगियों की एक दुखती रग है। लोकसभा अध्यक्ष आपातकाल की भर्त्सना का प्रस्ताव लाए और सदन में दो मिनट का मौन रखा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश की राजनीति के सबसे काले अध्याय आपातकाल से वर्तमान और भारी पीढ़ियों को अवगत कराने के लिए अब केंद्र सरकार ने प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेते हुए इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय है, क्योंकि जन सामान्य जिसने आपातकाल का दौर नहीं देखा उसे पता होना चाहिए कि संविधान बदलना और उससे खिलवाड़ करना वास्तव में क्या होता है, जो कांग्रेस ने आज से पचास साल पहले किया था।

संविधान हत्या दिवस की अधिसूचना आने के बाद अब हर वर्ष 25 जून को कांग्रेस के काले कारनामे जनता को याद दिलाए जायेंगे स्वाभाविक है इससे कांग्रेस और इंडी गठबंधन असहज है और अनापशनाप बयानबाजी कर रहा है। प्रियंका गांधी वाड्रा से लेकर शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे गुट के संजय राऊत तक सभी बहुत ही विकृत बयान दे रहे हैं। इनका कहना है कि जिस घटना को 50 वर्ष हो चुके हैं भाजपा उसे क्यों याद रखना चाहती है? इनका तर्क माने तो फिर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस भी नहीं मनाना चाहिए क्योंकि उसके तो पचहत्तर वर्ष बीत गए हैं? कुतर्क कांग्रेस का चरित्र बन गया है।

वास्तविकता यह है कि 25 जून हर उस व्यक्ति और परिवार के घाव पर मरहम लगाने और स्मरण करने का दिन है जो इंदिरा गांधी की सत्ता लोलुपता के लिए लगाए गए आपातकाल की क्रूरता का पीड़ित है। इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए जिस तरह संविधान का गला घोंटा था वह संविधान की हत्या के रूप में ही याद किया जा सकता है। उस दौरान देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूरी तरह से छीन लिया गया था। लाखों लोगों को बिना कारण जेल भेज दिया गया था। जेल में लोगों पर क्रूर अमानवीय अत्याचार किए गए थे। लाखों परिवारों को आपातकाल में अथाह दुःख सहन करना पड़ा था। इस दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं ने भयंकर भ्रष्टाचार किया और देश की संपत्ति को अंग्रेजों और मुगल आक्रमणकारियों की तरह लूटी गई। चाहे फिल्म और संगीत जगत रहा हो या समाचार जगत या फिर राजनीति कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा था जहां आपातकाल के अत्याचार न पहुंचे हों। डर और कुंठा के उस माहौल को क्यों भूल जाना चाहिए? देश को पता चलना चाहिए कि आपातकाल और तानाशाह क्या होता है जिससे कोई भी व्यक्ति कभी भी इंदिरा गांधी जैसी हरकत दोबारा न कर सके। जो सबसे जघन्य अपराध संविधान के साथ हुआ वह था उसकी आत्मा की हत्या करके उसकी प्रस्तावना में पंथ निरपेक्ष और समाजवाद शब्द जोड़ा जाना, यह तुष्टीकरण का सबसे घृणित उदाहरण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हिटलर कहने वाली कांग्रेस की रग-रग में तानाशाही भरी है। एक समय था जब कांग्रेस समाज के हर वर्ग को अपनी इच्छा के अनुरूप ही नियंत्रित करती थी फिर वह चाहे कार्यपालिका हो, न्यायपालिका या फिर मीडिया और मनोरंजन जगत। राज्यों में गैरकांग्रेसी सरकारों को ताश के पत्तों के घर की तरह गिरा दिया जाता था। कांग्रेस ने केवल 25 जून को ही संविधान की हत्या नहीं की अपितु कई अवसरों पर संविधान का गला घोंटा। गांधी परिवार ने कई बार देश की न्यायपालिका के आदेशों को खारिज करवाया जिसमें शाहबानो प्रकरण की चर्चा अभी भी हो रही है। कांग्रेस के आपातकाल में सबसे अधिक संविधान संशोधन किए गए थे और जमकर मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल भी खेला गया।

राहुल गांधी अपने पूर्वजों की राह पर चलते हुए वर्तमान समय में भी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं और देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अठारहवीं लोकसभा के के प्रथम सत्र में देश के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री को बोलने से रोकने के लिए गजब का हंगामा किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वयं सांसदों को वेल में जाकर हल्ला मचाने को बाध्य किया। ये किसी भी स्थिति में स्वस्थ लोकतंत्र का परिचायक नहीं है और कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता दिखता है ।

कुछ लोग संविधान हत्या दिवस नामकरण का विरोध कर रहे हैं कि यह नाम उचित नहीं है जबकि यह नाम पूरी तरह से सही भी है और एकदम सटीक भी क्योंकि कांग्रेस लगातार संविधान की हत्या ही करती आ रही है। 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या के विवादित ढांचे के टूट जाने के बाद भाजपा शासित चार राज्यों की चुनी हुई सरकार को बिना कारण बर्खास्त कर दिया गया था। शिवसेना नेता संजय राऊत तो दो कदम आगे निकलकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी पर ही आरोप लगा रहे हैं कि वह भी आपातकाल लगा सकते थे। संजय राऊत यह बात भूल गए हैं कि यह अटल जी ही हैं जिन्होंने गठबंधन राजनीति में भी शुचिता की पराकाष्ठा स्थापित की और किसी भी प्रकार का गलत गठबंधन नहीं किया, अपितु अपनी सरकार के एक वोट से गिरने पर सीधे इस्तीफा देने राष्ट्रपति भवन चले गये थे। केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करके एक तीर से कई निशाने साधे हैं । इससे जहां एक और कांग्रेस असहज हुई है वहीं जो लोग केंद्र सरकार को बहुत कमजोर समझ रहे थे वो भी सकते में हैं साथ ही आपातकाल के बाद जन्मी पीढ़ी इसके विषय में जानने को उत्सुक दिख रही है ।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

थोक महंगाई में बढ़त

खुदरा महंगाईके बाद अब थोक महंगाई ने भी आम लोगों को तगड़ा झटका दिया है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.08 फीसद पर पहुंच गई थी जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। अब थोक महंगाई ने भी लगातार चौथे महीने बढ़त दिखाई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस' खनिज तेल तथा अन्य विर्निमित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धिरही। गौरतलब है कि थोक मूल्य सूचकांक (ड़ब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई मई में 2.61 फीसद के स्तर पर थी। जून, 2023 में यह शून्य से 4.18 फीसद नीचे रही थी। फरवरी, 2023 में यह 3.85 फीसद थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर जून में 10.86 फीसद बढ़ी जबकि मई माह में यह 9.82 फीसद थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76 फीसद रही जो मई माह में

32.42 फीसद थी। प्याज की महंगाई दर 66.37 फीसद रही जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 फीसद रही। दालों में भी 21.64 फीसद की बढ़त दर्ज की गई। फलों, अनाज, दूध आदि अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी बढ़त का रुझान रहा। दरअसल, जून माह में थोक दामों में बढ़ोतरी व्यापक रही। ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में दाम बढ़े। बेशक, जुलाईमाह में कुछराहत मिलने के अनुमान है। अनुकूल तुलनात्मक आधार के साथ-साथ वैश्विक जिंस कीमतों में कुछ नरमी के कारण जुलाई माह में थोक महंगाई में दो फीसद तक नरमी आने की उम्मीद अर्थशास्त्री जतला रहे हैं। अलबत्ता, नरमी की संभावना को कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता से झटका लग सकता है। जुलाई माह में कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता के चलते मांग-आपूर्ति के मद्देनजर मासिक आधार पर कच्चे तेल में वृद्धि का रुझान देखने को मिला तो थोक महंगाईपर दबाव बढ़ सकता है। बेशक, थोक महंगाई में बढ़त का रुझान केंद्रीय बैंक को उतना चिंता में नहीं ड़ालता जितना खुदरा महंगाई का रुळ्झान। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। लेकिन यह भी सच है कि थोक दामों का असर भी खुदरा महंगाई पर कुछ समय बाद दिखलाई पड़ने लगता है। फिर, धारणा से भी निश्चित ही आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं' जिससे इनकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, कर संग्रह आदि आर्थिक संकेतक मजबूत हैं' जिससे दामों के सीजनल दबावों से पार पाने में मदद मिलेगी।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो ! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता ! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं ! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं- हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

बजट का हलुवा और हलुए का बजट

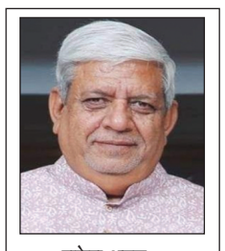

राकेश अचल

भारत अनोखा देश है। यहां सब कुछ अनोखा होता है ,जो दुनिया के शायद तमाम देशों में न होता हो। भारत में सरकार बजट पेश करने से पहले एक समारोह करती है जिसे अंग्रेजी में हलुवा सेरेमनी कहते हैं। इस हलुवा समारोह का लिखित इतिहास मुहे तो खोजने पर नहीं मिला,लेकिन जाहिर है कि इसके पीछे भी कांग्रेस ही रही होगी ,क्योंकि आज का भारत तो 2014 के बाद का भारत है। आज के भारत में स्टेशनों,शहरों और कानूनों के नाम बदले गए लेकिन गनीमत है कि इस हलुवा सेरेमनी को अभी तक हाथ नहीं लगाया गया है।

भारत में हलुवा और बजट आम आदमी के लिए ही बनाया जाता है। हलुवा सबसे सस्ता और सुलभ मिष्ठान भी है। गांवों से लेकर शहरों तक लोकप्रिय है। अमीर-गरीब सभी इस हलुए को पसंद करते हैं। शायद अंग्रेज भी करते हों। हलुवे की लोकप्रियता कालांतर में इतनी बढ़ी कि इसे मुहावरे का सम्मान मिल गया। किसी भी काम में व्यापक पैमाने पर भ्र्ष्टाचार या गोलमाल करने को भी हलुवा करना ही कहा जाता है। हलुवा बनाना और हलुवा करना एक ख़ास कला है ,इस्सके कलाकार ज्यादातर सियासत में या नौकरशाही में मिलते हैं। जहाँ ईमानदारी से हलुवा बनता है वो जगह केवल गुरुद्वारा है ,लेकिन गुरुद्वारों में बनने वाले हलुवे को हलुवा नहीं कड़ा-प्रसाद कहा जाता है। हलुवा जब प्रसाद बन जाता है तो आत्मा को सुकून देता है ,लेकिन जब हलुवा बजट बनता है तो हमेशा मीठा नहीं लगता।

वैसे आपको बता दूँ कि हलुआ एक प्रकार का मिष्टान्न है जिसकी उत्पत्ति फ़ारस से हुई है और व्यापक रूप से पूरे मध्य पूर्व में फैली हुई है।। हलुवा साधारणतः आटे, सूजी, गहि और शर्करा से बनता है। बाद में आप इसमें बारीक पिसे हुए बीज या बादाम भी मिला सकते हैं आजकल तो हर चीज का हलुवा बननी लगा है जो बजट हलुवे से सर्वथा भिन्न होता है। हलुवा अब हैसियत से बाबस्ता हो गया है। जिसकी जैसी हैसियत उसका वैसा हलुवा। मठ का अलग,मंदिर का अलग और कर्तव्यपथ का लग किस्म का हलुवा होता है। मुंबई वालों का हलुवा तो सबसे अलग होता ही है। भाई अनंत की शादी में किस तरह का हलुवा बना हमें पता नहीं।

इस साल के बजट का हलुवा समारोह नार्थ ब्लाक में सम्पन्न हो गया । आम बजट के हलुवे को किसने बनाया मुझे नहीं पता, किन्तु केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सबसे पहले ये बजट हलुवा अपने मंत्रालय के अधिकारीयों और कर्मचारियों में तकसीम किया। इसी नार्थ ब्लाक में बजट छपने वाली छपाई मशीन लगी है । ताकि बजट लीक न हो। बजट लीक हो या न हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता । फर्क इस बात से पड़ता है कि बजट में हलुवे की जो मिठास है वो आम आदमी तक भी पहुँच पायेगी या नहीं ? देश में कांग्रेस ने दशकों तक बजट का हलुवा किया। अब एक दशक से भाजपा ये काम कर रही है। इस साल के बजट में तो भाजपा के साथ टीडीपी और जेडीयू को भी हलुवा करने का सौभाग्य मिला है।

कोई भी सरकार हो बजट में हलुवा करना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की बजट में हलुवा करती ही है। ये बात और है कि अनेक राज्यों में हलुवा सेरेमनी नहीं होती। निर्मला जी मुझसे चार महीने छोटी हैं लेकिन मुझसे ज्यादा पढ़ी लिखी है। निर्मला जी के पास हलुवा बनाने की कोई उपाधि नहीं है किन्तु उन्होंने भाजपा सरकार के लिए सबसे ज्यादा बार बजट हलुवा तैयार किया। वे राजनीति में पिछले दरवाजे से [राज्य सभा] आयीं थीं लेकिन वे पिछले छह -सात मर्तबा बजट हलुवा बनाने का सौभाग्य हासिल कर चुकी हैं। वे भाजपा की सबसे ज्यादा सौभाग्यशाली वित्त मंत्री हैं। उनके हलुवा बनाने पर किसी को संदेह नहीं हैसिवाय उनके अपने पति को । भाजपा सरकार ने बीच में उन्हें हलुवा बनाने की जिम्मेदारी से मुक्त कर देश कोई रक्षा का और बाद में कारपोरेट का काम भी सौंपा लेकिन जब दूसरे वित्त मंत्री ढंग से बजट हलुवा नहीं बना पाए तो उन्हें वापस वित्त मंत्री बनाकर बजट हलुवा बनाने की जिम्मेदारी दे दी गयी।

देश में किसी भी दल की सरकार हो लेकिन आम जनता को उसके बजट हलुवे से तमाम उम्मीदें बनी रहतीं है। इस बार के बजट से देश के सभी वर्गों के लोगों को काफी उम्मीदें हैं। आगामी बजट को लेकर आम लोगों को उम्मीद है कि इस बार उन्हें सरकार की तरफ से थोड़ी राहत दी जाएगी। चूंकि यह बजट आम चुनावों के बाद का पहला बजट है ऐसे में सरकार के लिए भी यह बजट काफी महत्वपूर्ण होने वाला है।

आम चुनाव में सरकार ले-देकर बनी है। इसलिए सरकार पर बजट को मीठा बनाने का दबाब है। सरकार के सामने कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव भी है। इस कारण सरकार द्वारा अपने वोट बैंक को भुनाने के लिए आम बजट में लोगों को खुश को लेकर ऐलान किए जाने की उम्मीद की जा रही है.

नौकरीपेशा यानी सैलरी क्लास से लेकर, महिलाएं, किसान, टैक्सपेयर्स और युवावर्ग तक के लोग इस बार के बजट में सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे है। उन्हें उम्मीद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब बजट 2024 - 25 पेश करेंगी तो उनके लिए कोई खास ऐलान किया जा सकता है। बजट 23 जुलाई 2024 को पेश किया जाएगा । तब तक सभी को बजट हलुवे की महक से ही काम चलना पडेगा। बजट हलुवे का स्वाद कैसा होगा ये 23 जुलाई को ही पता चलेगा । भाजपा सरकार का नया बजट स्वाद में चाहे जैसा हो किन्तु उसका रंग तो भगवा ही रहने वाला है। देश का भगवाकरण हो रहा है तो बजट और उसका हलुवा इस रंग से कैसे बच सकता है।

इस समय देश को ऐसे हलुवे की जरूरत है जो किसानोन्मुखी हो। किसान हलुवा पेश होने की फ़िक्र किये बिना अपनी पुरानी मांगों को लेकर छह महीने का राशन - पानी लेकर दिल्ली आने वाले है। इस बार सरकार उन्हें दिल्ली आने से रोक भी नहीं सकती ,क्योंकि माननीय अदालत ने किसानों के दिल्ली जाने के अधिकार को संवैधानिक बता दिया है। अब देखना ये है की आने वाले दिनों में केंद्र द्वारा बनाया गया हलुवा फ़ैल तो नहीं जाएगा ? भगवान करे कि ऐसा न हो।

वायरस प्रकोप: लापरवाही बरतने से बचे सरकार

अजय प्रताप तिवारी

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं।

जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गइफ़ विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016-17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन

के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है' जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गईं। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुतवज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है।

पिछले कुछ वर्षों में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड-19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता है' मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड-19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आतथक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं। देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात-निर्यात पर भी गहरा प्रभाव ड़ालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है' काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैं' जिसका असर कोविड-19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर ड़ालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु-पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है।

भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह-जगह जल-भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति-निर्माण आवश्यक है। जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर संक्रमण निवारण केंद्र बनाने की जरूरत है। त्वरित जांच टीम बनाना जरूरी है। जागरूकता अभियान और शिक्षा के माध्यम से शहरों और गांवों में लोगों को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए। गांव, कस्बों में स्वास्थ्य मित्र नियुक्त करके महीने में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते रहना चाहिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरदानी वितरण और दवा का छिड़काव समय-समय पर किया जाना चाहिए ताकि मच्छरों का प्रकोप बढ़ न पाए। मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए जीएम मच्छरों को तैयार करना चाहिए। इंसानों के साथ ही पशु-पक्षियों में पनप रहे संक्रमण को रोकने का भी उपाय करना चाहिए।

आरक्षण पर बवाल, प्रदर्शनकारियों पर हमला 6 की मौत, 200 से ज्यादा घायल

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आरक्षण का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर सरकार समर्थक बीएनपी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस को आंसू गैस के गोले और लाठियां बरसानी पड़ी। गोली चलाये जाने की भी खबर है। इस झगड़े में 6 लोगों की मौत हो गई है। 200 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए हैं। जिनका अस्पतालों में इलाज चल रहा है। 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सरकारी नौकरी में 30 फ़ीसदी का आरक्षण मिलता था। प्रदर्शनकारी इस आरक्षण का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था, यह आरक्षण समाप्त किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों से नाराज प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आंदोलनकारियों पर हमला कर दिया। 2018 में बांग्लादेश सरकार ने इस आरक्षण को बंद कर दिया था। पिछले माह हाईकोर्ट ने 30 फ़ीसदी कोटा पुनः बहाल कर दिया था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को स्थगित कर दिया है। इसके बाद भी जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए पुलिस को आंसू गैस और लाठी चार्ज करना पड़ रहा है। वहीं सरकार समर्थक और शेख हसीना की पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शनकारियों पर हमला कर रहे हैं।

पेरू में बस खाई में गिरी, 26 लोगों की मौत

लीमा। दक्षिणी पेरू के अयाकुचो क्षेत्र में एक यात्री बस दुर्घटना में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को अयाकुचो क्षेत्र के कैंगालो प्रांत के पारस जिले में लॉस लिबर्टाडोरेस राजमार्ग पर एम्प्रेसा टूरिज्मो मोलिना यूनियन एसएसी का वाहन सड़क से उतरकर लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिर गया। राष्ट्रीय पुलिस सड़क सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख जॉनी रोलांडो वाल्डेरामा के अनुसार, बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं, अग्निशमन विभाग और पुलिस स्वास्थ्य सेवा ने पांच एम्बुलेंस दुर्घटना स्थल पर भेजी। पेरू के सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में एक क्षतिग्रस्त बस खाई में पड़ी हुई दिखाई दे रही है, तथा जमीन पर मलबा बिखरा हुआ है। दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरू में होने वाली 70 प्रतिशत दुर्घटनाएं मानवीय कारणों से होती हैं।

पाकिस्तान में कोयला खदान ढहने से तीन खनिकों की मौत

कराची । पाकिस्तान में कोयला खदान ढहने से तीन खनिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना पेशावर से 35 किलोमीटर दूर स्थित दर्रा आदम खेल शहर में हुई। हादसे का शिकार हुए खनिक खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत के शांगला जिले के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और तीनों मृत खनिकों के शव निकाले। इसके अलावा, चार अन्य घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घटना पर दुख व्यक्त कर खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जाहिर की और घायल खनिकों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

इजरायल ने अलग-अलग जगह हमले कर 40 को उतारा मौत के घाट

गाजा। हमास के मीडिया कार्यालय ने दावा किया है कि गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा किए गए दो अलग-अलग हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए। बयान में कहा गया है कि सेंट्रल गाजा में मंगलवार को नुसेरात शरणार्थी शिविर में संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अल-रज़ी स्कूल में एक हमले में 23 फिलिस्तीनी मारे गए, जबकि 73 अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि इजरायली हवाई हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई। हमले में स्कूल आंशिक रूप से नष्ट हो गया। मीडिया कार्यालय ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के अल-मवासी इलाके में हुए एक दूसरे हमले में 17 फिलिस्तीनी मारे गए और 26 अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि यहां सैकड़ों विस्थापित परिवार टेंट में रह रहे थे। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने नुसेरात के क्षेत्र में यूएनआरडब्ल्यूए स्कूल में रह रहे सक्रियआतंकवादियों पर हमला किया। इसमें कहा गया है कि आईएएफ ने पश्चिमी खान यूनिस में इस्लामिक जिहाद की नौसेना इकाई के एक कंपनी कमांडर पर भी हमला किया। उधर वेस्ट बैंक में इजरायली सेना ने जेनिन में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। स्थानीय मीडिया द्वारा प्रकाशित फुटेज में दिखाया गया है कि एक इजरायली सैन्य ट्रक, जिस पर फ़िलिस्तीनी लाइसेंस प्लेट लगी हुई थी और जिसमें एक दर्जन से ज्यादा सैनिक सवार थे, शहर में घुस आया। इसके बाद इजरायली सेना ने जेनिन के तलत अल-दाबूस इलाके में धावा बोला और इन लोगों को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया।

जापान में लोगों को दिन में 1 बार हंसना है बेहद जरूरी?

- सेहत की देखभाल करने का खास तरीका इजाद किया

टोक्यो । जापान वो देश है, जिसके एक प्रांत में दिन में एक बार हंसना बेहद जरुरी है। यहां इस तरह का कानून बना दिया गया है। ये विचित्र मगर कारगर कानून को बाकायदा पास किया गया है। पिछले हफ्ते जापान के यामागाटा पर्फेक्चर में प्रशासन ने अपने लोगों की सेहत की देखभाल करने का खास तरीका इजाद किया है। प्रशासन ने ये कानून बना दिया है कि अब लोगों को दिन में कम से कम 1 बार जरूर हंसना पड़ेगा। दरअसल, इस नियम को बनाने के पीछे एक रिसर्च है, जिसे हाल ही में वहां की यूनिवर्सिटी में किया गया है। यामागाटा यूनिवर्सिटी की रिसर्च में ये दावा किया गया है कि हंसने से सेहत पर बहुत फायदा होता है। दिल की बीमारियां इससे कम होती हैं और इंसान की आयु भी बढ़ती है। इस कानून के तहत हंसने पर जबरदस्ती जोर नहीं दिया जा रहा है, हालांकि, इसके जरिए नागरिकों को दिनभर खुशहाल माहौल बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कानून के तहत कार्यस्थलों को भी हल्का-फुल्का माहौल बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अब हर महीने की 8वीं तारीख को हास्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा। एक तरह इस कानून से प्रशासन बेहतर माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है, दूसरी तरफ प्रशासन को इस कानून से आपत्ति है। जैपनीज़ कम्यूनिस्ट पार्टी ने आरोप लगाया है कि ये कानून इंसान की आजादी का हनन करता है। विपक्ष का कहना है कि हंसने का अधिकार या न हंसने का अधिकार संविधान के द्वारा दिया हुआ अधिकार है। कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रैटिक पार्टी की ओर से कहा गया है कि ये कानून उन लोगों का ख्याल नहीं रखता, जो किसी बीमारी, जुल्म, या दुख की वजह से नहीं हंसते। दूसरी ओर प्रशासन का बार-बार कहना है कि ये प्रोत्साहन के तौर पर बनाया गया कानून है, आदेश नहीं।

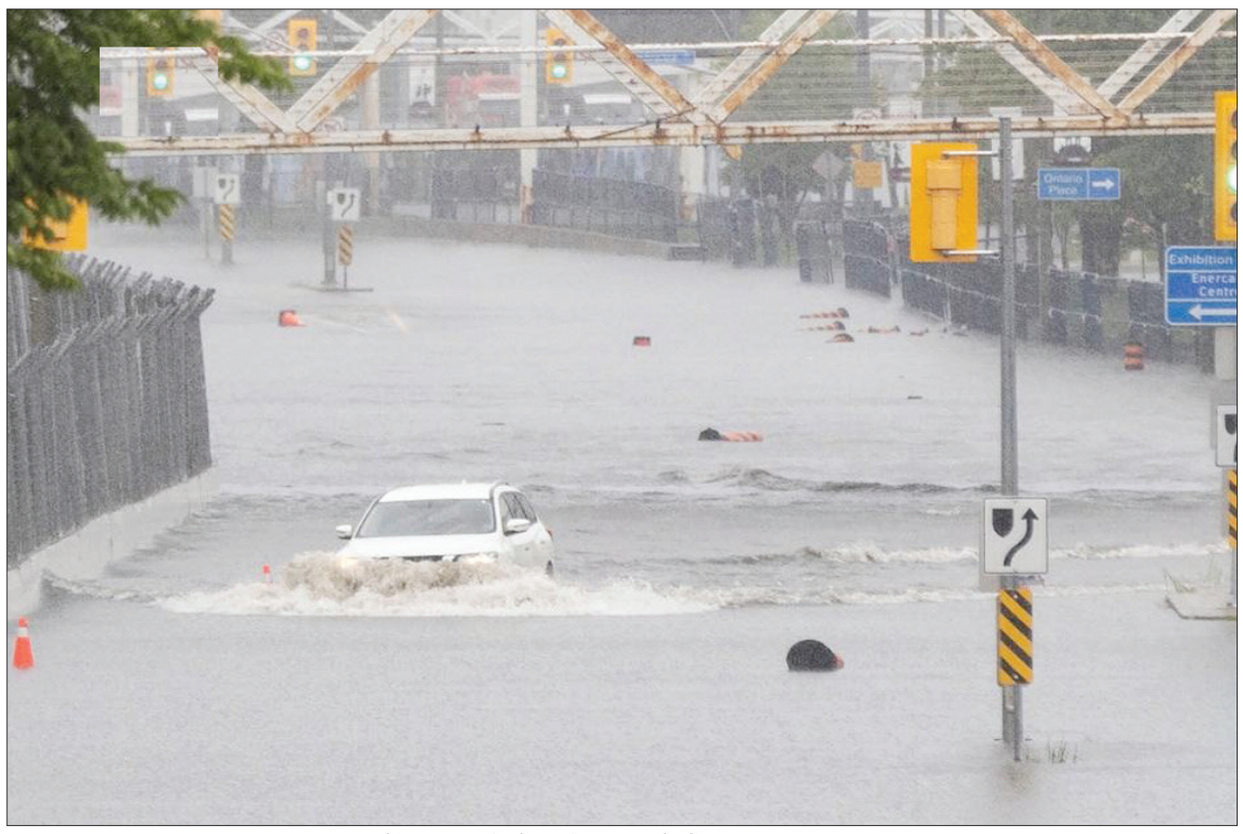

कनाडा में एक पानी से भरी सड़क से निकलता हुआ एक वाहन।

क्या ट्रंप के हमले के पीछे.... कासिम सुलेमानी लिंक

वाशिंगटन । अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को हाल के हफ्तों में एक शख्स से खुफिया जानकारी मिली थी कि ईरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। बताया गया कि यह ईरान के जनरल कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए किया जा रहा है। इसकारण सीक्रेट सर्विस ने पूर्व राष्ट्रपति के इर्द-गिर्द सुरक्षा बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मामले से जुड़े कई लोगों ने बताया कि इसका कोई संकेत नहीं है कि थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की जो कोशिश की थी, वह इस साजिश से जुड़ा था। बहरहाल कयास लग रहा है कि एक शत्रुतापूर्ण विदेशी खुफिया एजेंसी से ट्रंप की जान को खतरा होने की खुफिया सूचना के बाद उनकी बढ़ी हुई सुरक्षा के बावजूद कैसे उन पर इतना घातक हमला हो गया। यह सूचना रैली में सुरक्षा चूक के बारे में नए सवाल खड़े करती है। कैसे एक 20 साल का शख्स ट्रंप की रैली के पास की छत पर पहुंचकर गोलियां चलाने में कामयाब रहा, जिससे पूर्व राष्ट्रपति घायल हो गए। वहीं एक अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सीक्रेट सर्विस और ट्रंप के चुनाव अभियान को पहले खतरे के बारे में पता चल गया था। अधिकारी ने बताया कि सीक्रेट सर्विस को इस खतरे से बढ़ते स्तर के बारे में पता चला था। सीधे वरिष्ठ स्तर पर जिम्मेदार सुरक्षा अधिकारियों के इसके बारे में संपर्क करके आगाह किया गया था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे ट्रंप की सुरक्षा में कोई कोताही न हो।

रिपब्लिकन पार्टी की भारतीय-अमेरिकी नेता निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया

मिलवाउकी (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी की भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है जिससे प्राइमरी चुनाव के दौरान उनकी कटु प्रतिद्वंद्विता के बाद अब एकता का संदेश मिलता है।

हेली (52) ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए ट्रंप (78) को चुनौती दी थी तथा महीनों तक उनके खिलाफ प्रचार किया था लेकिन बाद में इस दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने पिछले सप्ताह अपने 97 डेलीगेट को पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रंप के लिए वोट करने का निर्देश दिया था और पार्टी में एकता का आह्वान किया था। हेली ने यहां मिलवाउकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में दिए अपने संबोधन में कहा, ''मैं एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहूंगी। डोनाल्ड ट्रंप को मेरा पुरजोर समर्थन प्राप्त है।''

इस सम्मेलन में पर्याप्त संख्या में 'डेलीगेट' (मतदाताओं के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति) के वोट हासिल करने के बाद ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं। वह बृहस्पतिवार को नामांकन स्वीकार करने हुए अपना संबोधन देंगे। हेली ने हजारों डेलीगेट और पार्टी नेताओं से कहा कि ट्रंप देश के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार हैं और रिपब्लिकन नेता निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन को हराने के लिए एकजुट हैं।

उन्होंने अपने भाषण में पूर्व राष्ट्रपति की विदेश नीति का बचाव किया और उनसे कुछ मुद्दों पर असहमति रखने वाले मतदाताओं से सीधे बात की। उन्होंने कहा, ''कुछ अमेरिकी हैं जो डोनाल्ड ट्रंप से 100 फीसदी सहमत नहीं है। उन्हें मेरा संदेश स्पष्ट है - ट्रंप के लिए वोट करते समय आपको उनसे 100 फीसदी सहमत होने की जरूरत नहीं है।'' हेली ने कहा, ''हमारा देश एक अहम मोड़ पर है। हमें किसी को चुनना होगा। एक साल से अधिक वक्त से मैंने कहा है कि जो बाइडन के लिए वोट करने का मतलब कमला हैरिस के लिए वोट करना है। हमारे देश की खातिर हमें डोनाल्ड ट्रंप को चुनना होगा।'' हेली के भाषण के वक्त ट्रंप सम्मेलन केंद्र में मौजूद थे। जब हेली ने भाषण शुरू किया तो ट्रंप और सीनेटर जे डी वेंस ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजायीं।

भारतीय-अमेरिकी नेता ने कहा, ''जब बराक ओबामा राष्ट्रपति थे तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रीमिया पर आक्रमण किया। जब जो बाइडन राष्ट्रपति हैं तो पुतिन ने पूरे यूक्रेन पर ही हमला कर दिया। लेकिन जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति थे तो पुतिन ने कुछ नहीं किया। कोई आक्रमण नहीं, कोई युद्ध नहीं। पुतिन ने यूक्रेन पर हमला नहीं किया क्योंकि वह जानते थे कि डोनाल्ड ट्रंप सख्त हैं। एक मजबूत राष्ट्रपति युद्ध शुरू नहीं करता है। एक मजबूत राष्ट्रपति युद्ध रोकता है।'' भारतीय-अमेरिकी उद्यमी से नेता बने विवेक रामास्वामी ने भी सम्मेलन से पहले देशवासियों से ट्रंप के लिए वोट करने को कहा। उन्होंने कहा कि ट्रंप ऐसे राष्ट्रपति होंगे जो असल में देश को एकजुट करेंगे और वह भी महज बातों से नहीं, बल्कि कुछ कर दिखाने के बाद।

मेक इन इंडिया ब्रह्मोस से ड्रैगन को आंखें दिखाएगा ये देश

मनीला (एजेंसी)। चीन और फिलीपींस के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन को निशाने पर लेने के लिए फिलीपींस को भारत निर्मित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की जरूरत है। फिलीपीन मरीन कॉर्प्स (पीएमसी) ने 2026 तक तट-आधारित सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल की दो अतिरिक्त बैटरियों के साथ अपनी तटीय सुरक्षा को मजबूत करने की योजना बनाई है। पीएमसी को पहले से ही तीन ब्रह्मोस बैटरियां मिलने वाली हैं। प्रत्येक बैटरी में चार लॉन्चर होते हैं। हर लॉन्चर 290 किमी तक टार्गेट को हिट कर सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलीपींस की संभावित अतिरिक्त खरीद से भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और ब्रह्मोस की मार्केटिंग होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलीपीन सेना (पीए) मिसाइलों की खरीद पर मंथन कर रही है, जो संभावित रूप से फिलीपींस को भूमि और नौसैनिक हमलों के लिए हथियार प्रदान करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रह्मोस मिसाइल की उच्च गति और लंबी दूरी तक मारने की क्षमता समुद्री खतरों के खिलाफ एक दुर्जेय हथियार बनाता है। इससे फिलीपींस की तटीय रक्षा को मजबूती मिलेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मनीला की चीन के साथ और दिल्ली की हिमालय में चीन के साथ झड़पों के बीच फिलीपींस और भारत के बीच रक्षा संबंध गहरे हुए हैं। फिलिपींस को ब्रह्मोस निर्यात करने का निर्णय एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक है। चीन के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों के कारण हिंद महासागर से परे हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक अपना प्रभाव बढ़ा रहा है।

2024 में रिपोर्ट दी थी कि फिलीपींस ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए एक बेस बनाकर दक्षिण चीन सागर में अपनी रक्षा स्थिति को मजबूत कर रहा है। अगर फिलीपींस अतिरिक्त ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का विकल्प चुनता है, तब यह अमेरिका और सहयोगी रक्षा योजनाकारों को संकेत देगा कि वह चीन की सैन्य शक्ति के खिलाफ जितना असहाय लगता है, उतना नहीं है।

शिया मुस्लिमों का चल रहा था धार्मिक कार्यक्रम, अचानक मस्जिद में होने लगी गोलीबा

मस्कट (एजेंसी)। इमाम अली मस्जिद के पास गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी और चार पाकिस्तानी नागरिकों की जान चली गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। मस्कट में भारतीय दूतावास ने एक्स मंगलवार को पोस्ट किया कि 15 जुलाई को मस्कट शहर में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, ओमान सल्तनत के विदेश मंत्रालय ने सूचित किया है कि एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है और एक अन्य घायल हो गया है। दूतावास अपनी गंभीर संवेदना व्यक्त करता है और परिवारों को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

एक बयान के मुताबिक, सोमवार रात अल-वादी अल-कबीर इलाके में हुई घटना के दौरान सुरक्षा बलों ने तीन हमलावरों को भी मार गिराया। पाकिस्तान ने कहा कि इमाम अली मस्जिद पर ÷आतंकवादी हमले÷ में मारे गए लोगों में चार पाकिस्तानी भी शामिल थे। भारत ने भी कहा कि उसका एक नागरिक मारा गया। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) आतंकवादी समूह ने ली है।

आईएसआईएस ने इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे देशों में शिया समारोहों, जुलूसों और उपासकों को बार-बार निशाना बनाया है। लेकिन इसने पहले कभी ओमान में हमले का दावा नहीं किया, जहां शिया अल्पसंख्यक हैं।

ट्रंप के बारे में 'सच बोलना' नहीं बंद करूंगा : बाइडन

लास वेगास (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करने का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि 'ऐसा करने का यह मतलब नहीं है कि हम सच बोलना बंद कर दें।'

लास वेगास में एनएएसीपी सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि देश में राजनीतिक हिंसा से निपटने का मतलब हर तरह के खूनखराबे पर लगाम लगाना, पुलिस की क्रूरता का बेहतर मुकाबला करना और ट्रंप पर बीते सप्ताहांत हुए हमले में इस्तेमाल एआर-स्टाइल राइफल जैसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाना होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'देश में एक महत्वपूर्ण चर्चा का समय आ गया है। हमारा राजनीतिक परिदृश्य बहुत गरमा गया है।' 'और चार साल' के नारों के बीच उन्होंने कहा, 'सिर्फ इसलिए कि हमें अपनी राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करनी चाहिए, क्योंकि यह हिंसा से संबंधित है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए।' सम्मेलन में राष्ट्रपति अश्वेत मतदाताओं के लिए अपने प्रशासन के समर्थन को प्रदर्शित करते नजर आए, जो डेमोक्रेटिक पार्टी का बड़ा वोट बैंक होने के साथ ही उनके दृढ़ समर्थक भी माने जाते हैं।

उन्होंने राष्ट्रपति के पद पर ट्रंप के कार्यकाल को अश्वेत अमेरिकियों के लिए 'नर्क' करार दिया। बाइडन ने कोरोना वायरस महामारी के कुप्रबंधन, लॉकडाउन के दौरान बढ़ी बेरोजगारी और अश्वेत इतिहास को मिटाने के कथित प्रयासों को लेकर भी पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा। बाइडन ने ट्रंप के 'ब्लैक जॉब्स' का संदर्भ देने का उपहास किया और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का जिक्र करते हुए कहा, 'मुझे यह वाक्यांश पसंद है। मुझे पता है कि 'ब्लैक जॉब' से उनका मतलब क्या है। उनका मतलब अमेरिका की उपराष्ट्रपति से है। वह राष्ट्रपति बनने के भी योग्य हैं।' बाइडन ने देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी जिक्र किया। उन्होंने केतनजी ब्राउन जैक्सन का भी नाम लिया, जो अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली अश्वेत एवं महिला न्यायाधीश हैं।

बाइडन पिछले महीने ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में राष्ट्रपति पद की उनकी उम्मीदवारी पर उठते सवालों के बीच एनएएसीपी सम्मेलन में पहुंचे। राष्ट्रपति के खराब प्रदर्शन ने उम्र, सेहत और ट्रंप को हराने की उनकी क्षमता को लेकर पार्टी नेताओं और मतदाताओं की चिंता बढ़ा दी है।

हालांकि, बाइडन ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की मांग खारिज कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए सबसे योग्य व्यक्ति हैं और ट्रंप को एक बार फिर हरा सकते हैं। वहीं, रिपब्लिकन नेता मिलवाउकी में जारी पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ट्रंप के साथ पहले से कहीं अधिक एकजुटता प्रदर्शित करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। बाइडन ने वादा किया कि दूसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में वह मतदान अधिकारों के विस्तार को संसदीय मंजूरी दिलाने का प्रयास करेंगे। वह राष्ट्रपति के तौर पर अपने अब तक के कार्यकाल में ऐसा करने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने चिकित्सा ऋण का निपटारा करने का वादा भी दोहराया।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाजों पर दो हमले किए

दुबई। लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग की सुरक्षा के लिए नया अमेरिका विमानवाहक पोत तैनात किए जाने के बीच सोमवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमले किए। इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से इस मार्ग पर जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। ब्रिटिश और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, हूती विद्रोहियों के तीन छोटे जहाजों ने यमन के अल हुदायदाह तट के पास पनामा के झंडे वाले और इजराइल के स्वामित्व वाले 'एमटी बेंटली आई' को निशाना बनाया। हूती के तीन जहाजों में से सिर्फ दो पर ही चालक दल थे जबकि एक मानवरहित था। ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने बताया कि ''कथित मानवरहित पोत दो बार जहाज से टकराया जबकि चालक दल वाले दो पोतों से गोलीबारी की गई।''

रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में ट्रंप के आसपास कड़ी सुरक्षा, नहीं मिलाया किसी से भी हाथ

मिलवाउकी (एजेंसी)। 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' (आरएनसी) में मंगलवार की शाम को पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे डी वेंस ने अपनी सीट की ओर बढ़ते वक्त उत्साहित डेलीगेट का अभिवादन स्वीकार किया और उनसे हाथ मिलाया जबकि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप कड़े सुरक्षा घेरे के बीच यहां पहुंचे।

वेंस के सम्मेलन केंद्र में पहुंचने के कुछ मिनट बाद ट्रंप आए और सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने उन्हें समर्थकों से अलग रखा। उनके कान पर पट्टी बंधी हुई थी। उन्होंने सम्मेलन केंद्र में मौजूद लोगों से हाथ मिलाने के बजाए कैमरों की ओर मुट्ठी बांधकर हाथ हवा में लहराया।

ट्रंप (78) शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उस समय बाल-बाल बच गए, जब 20 वर्षीय एक हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए और उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से पर चोट आई।

ट्रंप के प्रचार अभियान दल के अधिकारियों ने इस बढ़ी हुई सुरक्षा के बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और यह भी नहीं बताया कि इससे उनके आगे के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर क्या असर पड़ेगा।

उनके प्रचार अभियान दल के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा, ''हम ट्रंप के सुरक्षा विवरण पर टिप्पणी नहीं करेंगे। सभी सवाल यूएस सीक्रेट सर्विस से पूछे जाने चाहिए।''

होमलैंड सुरक्षा मंत्री एलेजांद्रो मेयरकास ने सोमवार को कहा था कि वह 'सुरक्षा या बढ़ायी गयी सुरक्षा की जानकारियों' के बारे में चर्चा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, ''हालांकि, मैं यह कह सकता हूं कि कर्मियों और अन्य सुरक्षात्मक संसाधनों व प्रौद्योगिकी की मदद ली गयी है।''

मंगलवार को दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि हमले से पहले सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप की सुरक्षा बढ़ा दी थी। लेकिन यह अतिरिक्त सुरक्षा उस बंदूकधारी को नहीं रोक सकी, जिसने बगल की छत से गोली चलाई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और ट्रंप के साथ मौजूद दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। गोली की आवाज से ट्रंप तेजी से झुके लेकिन तब तक उनके कान को छूते हुए एक गोली निकल गई।

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 3238

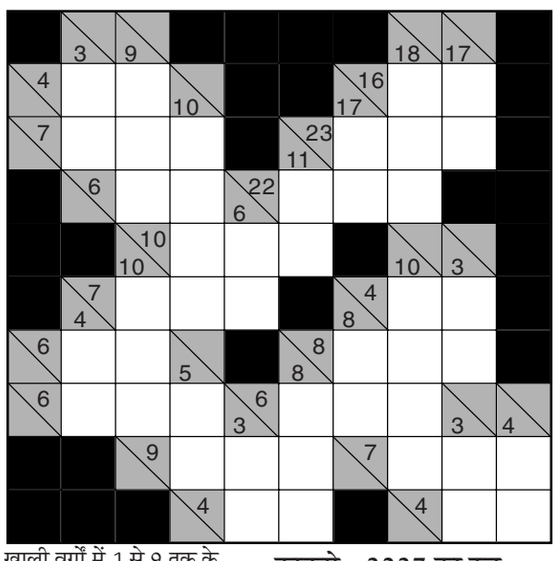

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

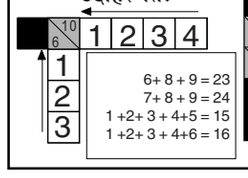

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3237 का हल

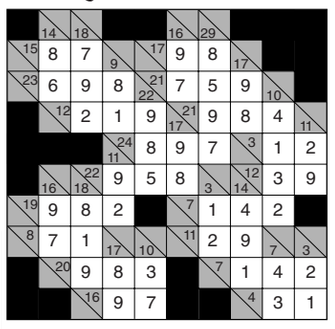

हंसी के फव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

□ □ □

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3238

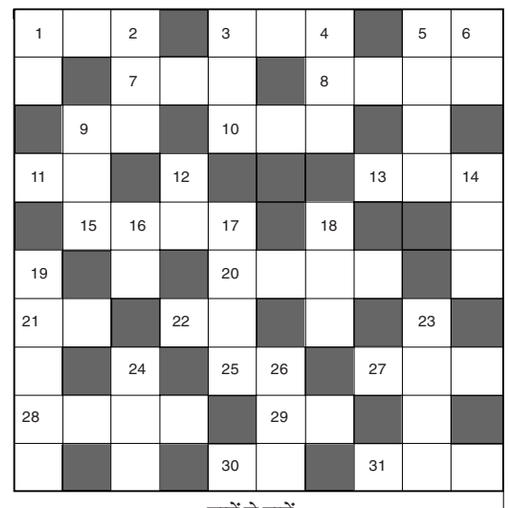

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3237

ए	ल	ओ	सी	■	जा	नी	दु	श्म	न
क	■	म	■	दि	ल	■	श्म	■	गी
रि	श्ते	■	फू	ल	■	अ	न	जा	ना
श्ता	■	शू	■	वा	स	व	■	नू	■
■	दि	ल	ज	ले	■	ता	रु	■	प्रि
■	ल्ल	■	ख्म	■	आ	र	जू	■	य
सं	गी	त	■	खु	शी	■	चा	ह	त
ग	■	ला	वा	■	वी	■	चा	■	मा
म	हे	श्न	■	आ	द	मी	■	बू	■
■	मा	■	रं	ग	■	ना	ग	म	णि

सूडोकु -3238

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3237 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3238

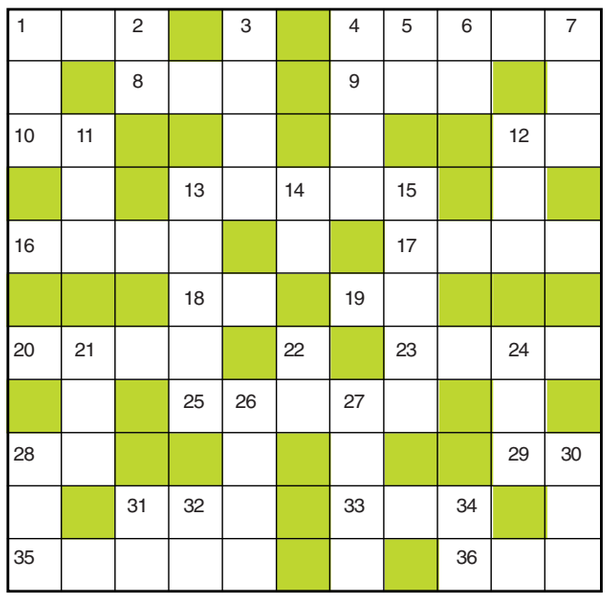

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़प्पन-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -3237 का हल

म	न	मो	ह	न	■	र	वा	ना	हो	ना
न	■	म	क	र	■	त	ल	ना	■	का
मो	ह	■	■	गि	■	ज	■	■	क	म
ह	म	■	आ	स	ल	गा	ना	■	मा	या
क	ल	र	व	■	क्ष्य	■	म	त	ल	ब
■	■	■	भ	ला	■	जो	र	■	■	■
ज	ग	म	ग	■	मौ	■	ख	चा	ख	च
मी	ल	■	त	म	त	मा	ना	■	र	म
न	त	■	■	हा	■	ल	■	■	ल	क
दा	■	म	चा	न	■	खा	रि	श	■	दा
र	म	णी	य	ता	■	ना	ट	क	का	र

गाज़ियाबाद की जनता ,जनप्रतिनिधि व अधिकारी अगर साथ दे तो रेबीज से नहीं होने दूंगा जनपद में एक भी मौत- डॉक्टर बीपी त्यागी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद.जनपद को रेबीज फ्री बनाने का दायित्व डॉक्टर बीपी त्यागी के नेतृत्व में अवकेनिंग इंडिया फाउंडेशन और महाराणा प्रताप सेना वीर शिरोमणि ने लिया है। इस संबंध में डॉ बीपी त्यागी ने एक प्रण लेते हुए कहा कि हम सब मिलकर एकजुट होकर रेबीज के खिलाफ अभियान चलाकर काम करेंगे.

पिछले काफी समय से गाजियाबाद में कुत्ते लोगों पर हमला कर लहूलुहान कर रहे हैं. इस कड़ी में कुछ अप्रिय हादसे भी देखें गए हैं। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए रेबीज फ्री गाजियाबाद का अभियान शुरू किया जा रहा है इसी को लेकर गाजियाबाद जिलाधिकारी को ज्ञापन संयुक्त रूप से दिया जाएगा. विश्व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ बी पी त्यागी ने बताया कि वह पूरा प्रयास करते हैं कि हर गरीब को अच्छे से अच्छा इलाज मुहिया कराया जा सके. लेकिन इस कड़ी में एक अभियान चलाने की आवश्यकता है ताकि जन जन तक स्पष्ट संदेश पहुंच सके कि रेबीज एक जानलेवा बीमारी है जिसका इलाज संभव नहीं है ऐसे में रेबीज को समय रहते ही रोका जा सकता अन्यथा मरीज की जान जाना निश्चित है. रेबीज के खिलाफ व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति रेबीज के कारण मौत के मुंह में ना समाय. इस मामले में जिला अधिकारी को विज्ञापन सौंप कर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा साथ ही श्री त्यागी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति जिसको बंदर या कुत्ते ने काटा हो उसे रेबीज का इंजेक्शन लगाना आवश्यक है. जिसके लिए हर्ष ईएनटी हॉस्पिटल सदैव 24 घंटे तैयार है.गौरतलब हैं कि रेबीज इंजेक्शन के मामले में जिला स्वास्थ्य विभाग का रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है ऐसे में डॉक्टर बीपी त्यागी कई वर्षों से ऐसे गरीब असहाय डॉग बाइट के शिकार लोगों की मदद करते हुए मुफ्त में रेबीज का

इंजेक्शन हर्ष ईएंटी हॉस्पिटल में लगा रहे हैं.

संदिग्ध परिस्थितियों में गन्ने के खेत में पड़ा मिला सड़ा गला शव जांच में जुटी पुलिस

संस्कार उजाला

नागल सहारनपुर अजय त्यागी नागलः नागल क्षेत्र के गांव दघेड़ा में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के ही गन्ने के खेत में एक व्यक्ति का सड़ा गला शव पड़ा मिला। मौके पर पहुंचे देवबंद क्षेत्र अधिकारी अशोक सिसोदिया और नागल थाना प्रभारी त्रिभुवन सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ पहुंची पुलिस ने मर्तक के शव को गन्ने के खेत से बाहर निकाल कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह करीब 8:00 बजे गांव दंघेडा में गांव के निकट गन्ने के खेत में एक व्यक्ति का सड़ा गला शव पड़ा मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव बाहर निकलवा कर ग्रामीणों को इकट्ठा कर शव की

पहचान कराई। जिसकी पहचान गांव दघेड़ा निवासी सुनील त्यागी(60) पुत्र रामपाल त्यागी के रूप में हुई बताया जाता है कि मृतक सुनील त्यागी थाना नागल का हिस्ट्री सीटर रहा हुआ है और उस पर कई मुकदमे दर्ज है ग्रामीणों के अनुसार सुनील अविवाहित और कैंसर से पीड़ित था और करीब दो माह पहले अपनी मां की मृत्यु हो जाने के कारण वह मानसिक रूप से पीड़ित था।जिस कारण वह कई दिनों तक घर से बाहर चला जाता था तथा कुछ दिन बाद घर वापस आ जाता था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। क्षेत्र अधिकारी देवबंद अशोक सिसोदिया के अनुसार सुनील की मौत संभावित लग रही है' लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ जाने के बाद मौत का कारण स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

अलीपुर सभालकी के गाँव इब्राहिमपुर में मनरेगा मजदूरों द्वारा वृक्षारोपण किया गया

संस्कार उजाला

अभिषेक सिंह सहारनपुर /छुटमलपुर जनपद सहारनपुर के विकासखंड मुजफ्फराबाद की ग्राम पंचायत अलीपुर सभालकी के गाँव इब्राहिमपुर में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे, वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत प्रतिनिधि विकास सैनी के निर्देशन में मनरेगा के

मजदुरो द्वारा ग्राम समाज की भूमि पर, वृक्षारोपण किया गया इस दौरान ग्राम पंचायत अलीपुर सभालकी के ग्राम सेवक अंकित सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि , ग्राम पंचायत के द्वारा 2200 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें शीशम सागोन सिल्वर कांजी आदि पौधे लगाए जाएंगे यह पौधे मोहड नर्सरी से मंगाए गए हैं यह भूमि ग्राम पंचायत अलीपुर संभालकी की ग्राम समाज है जिसमें यह पौधे लगाए जा रहे हैं इस दौरान उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है और स्वच्छ पर्यावरण और पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन हेतु आवश्यक है। स्वैच्छिक रूप से वृक्षारोपण कर वृक्षारोपण अभियान को सफल करने का आह्वान किया और साथ ही जोर दिया की वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी।

शिवालिक पहाड़ियों पर भारी बारिश के बाद बरसाती नदियां उफान पर

नदियों में बाढ़ के कारण कई मार्ग हुए बाधित, कहीं गांव का संपर्क कटा
शाकंभरी खोल में भी अचानक आया सैलाब, श्रद्धालुओं ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचकर बचाई जान

संस्कार उजाला

सहारनपुर बेहट शिवालिक पहाड़ियों एवं मैदानी क्षेत्र में हुई भारी बारिश के बाद दर्जनों बरसाती नदियां उफान पर पर आ गई। जिससे कई गांव का संपर्क तहसील मुख्यालय से कट गया भारी बारिश के बाद शाकंभरी नदी भी उफान पर आ गई। जिसके बाद श्रद्धालुओं ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचकर अपनी जान बचाई। पुलिस कर्मियों ने भी

श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। पुलिस ने बैरियर लगाकर श्रद्धालुओं को रोका और पानी से दूर रहने की अपील भी लगातार लाउडस्पीकर के माध्यम से की जा रही है। हिंडन नदी, नागादेव नदी, सहन्सरा नदी के उफान पर आने से बिहारीगढ़-बेहट मार्ग भी बाधित हो गया। नदियों के दोनों ओर यात्री पानी कम होने का इंतजार करते रहे। इस दौरान कई गांवों का संपर्क भी कटा रहा। क्षेत्र वासियों का कहना है कि वह लगातार बरसाती नदियों पर पुल बनाने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन आज तक उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

तहसील बेहट के गांव मामूवाला में भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश की बैठक का आयोजन किया गया

संगठन के द्वारा सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष सहित 21 सदस्यीय टीम को नामित किया गया

संस्कार उजाला

अजय सैनी

सहारनपुर मुजफ्फराबाद कार्यक्रम में पहुंचे किसान संगठन के उत्तर प्रदेश गन्ना पर्यवेक्षक श्यामवीर त्यागी ने बोलते हुए कहा की मुगल शासन काल से आज तक पुराना कानून लागू किया जा रहा है इस कानून में यह लिखा है कि किसान की फसल का लाभ मूल्य यदि दिया जाएगा तो देश की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी संगठन के जिला अध्यक्ष राहुल त्यागी ने कहा की इसलिए किसानों को जागरूक करने के लिए किसान संगठन का विस्तार किया जा रहा है जिससे किसानों की आवाज को बुलंद किया जा सके मास्टर ऋषिपाल सैनी ने कहा कि किसान देश में सबसे बहादुर है क्योंकि किसान ना सर्दी देखता है ना गर्मी देखता है और हर वक्त बहादुरी से कार्य करता है

इसलिए उसकी बहादुरी की इज्जत सरकार को करनी होगी कार्यक्रम में सर्व सहमति से नवनियुक्त मुजफ्फराबाद ब्लॉक अध्यक्ष मैनपाल सैनी ने कहा की मैं अपनी पद की गरिमा को बनाए रखते हुए ईमानदारी से कार्य करूंगा और संगठन को मजबूत करने का कार्य करूंगा कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी नीरज त्यागी मुजफ्फराबाद ब्लॉक अध्यक्ष मैनपाल सैनी ब्लॉक उपाध्यक्ष सतपाल कांबोज मंत्री सरदार रमेश सिंह सह मंत्री ओमपाल सिंह जैविक प्रमुख सुधीर कुमार युवा प्रमुख अजय कुमार सैनी महिला प्रमुख उषा देवी प्रचार प्रमुख अश्वनी कुमार तथा कार्य समिति सदस्य सनी कुमार संजय कुमार आदित्य कंबोज खड़क सिंह सुरेश पाल सैनी अरविंद कुमार राजवीर सिंह गोपाल राधे श्याम राहुल कुमार होशियार सिंह अजय राणा आदि मौजूद रहे

महंत नारायण गिरी महाराज के साथ संजीव शर्मा ने किया कावड़ परम्परा पुस्तक का विमोचन

संस्कार उजाला

प्राचीनतम सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर के पीठाधीश्वर महंत नारायण गिरी महाराज ने भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा और उनकी धर्मपत्नी रितु शर्मा के कर कमलों द्वारा गाजियाबाद के शिव भक्तों के सहित प्रदेश के समस्त कावंडियों को समर्पित कावड़ परंपरा पुस्तक का विमोचन कराया।

विमोचन के दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने इस महत्वपूर्ण पुस्तक के बारे में प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया कि इस पुस्तक की परिकल्पना श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज के द्वारा की गई व इसका संकलन राजेंद्र शर्मा के द्वारा तथा इसका प्रकाशन श्रीमहंत गौरी गिरी दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर समिति गौशाला मार्ग गाजियाबाद निहित कराया गया है। कुल 63 पन्नों की इस पुस्तक में दिव्या पीठ दिलेश्वर नाम मंदिर के इतिहास की जानकारी सहित छत्रपति

शिवाजी महाराज द्वारा स्थापना के बारे में जानकारी के साथ-साथ शिवरात्रि व्रत की पूजा विधि और संपूर्ण कावड़ नियमावली को बताते हुए विस्तार से कावड़ की परंपरा के बारे में प्रकाश डाला गया है। पुस्तक के मूल में श्री दूधेश्वर पूजा विधि, शिवनामृत पूर्ण विषय विस्तार के साथ प्रकाशन किया गया है। श्री महंत नारायण गिरी महाराज ने बताया कावड़ परम्परा पुस्तक में धर्मप्रेमियों और भोले नाथ के भक्तों को पूजा पद्धति का पूर्ण लाभ कैसे और किस विधि से करें इसकी जानकारी के साथ पूरी कड़ी को परम्परा से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया परातत्पर सच्चिदानंद परमेश्वर शिव एक हैं; वे विश्वातीत हैं और विश्वमय भी हैं। वे गुणातीत हैं और गुणमय भी हैं। वे एक ही हैं और अनेक भी हैं।

गाजियाबाद रोटरी क्लब ऑफ गाज़ियाबाद ग्रेटर नेक्स्ट द्वारा सेनेटरी पैड्स, राशन, वाइट बोर्डस एवं स्टेशनरी का वितरण

संस्कार उजाला

रोटरी क्लब ऑफ गाज़ियाबाद ग्रेटर नेक्स्ट ने चार स्थानों ग्रेस केयर फाउंडेशन : इंदिरापुरम गाज़ियाबाद, अमृतवर्षा फाउंडेशन: वसुंधरा गाज़ियाबाद आंगनवाड़ी : इंदिरापुरम गाज़ियाबाद, (आशा चौधरी) गाजियाबाद लाइट डी लिटरेसी: विजय नगर गाज़ियाबाद मे बच्चो को राशन, पाठ्य सामग्री, किताबे, स्कूल बैग, वाइट बोर्डस, बालिकाओ के लिए सेनेटरी पैड्स आदि का वितरण किया। जिसका शुभारम्भ ऊक्त रो० अमित गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रेजिडेंट रो० वरुण गौड़, रो० सुरेंद्र शर्मा, रो० अब्दुल वाहिद, रो० उज्जवल अग्रवाल, रो० मोहित गुप्ता, इंटरैक्ट क्लब इंचार्ज ज्योत्सना विजन तथा इंटरैक्ट क्लब के बच्चे उपस्थित रहे।उपरोक्त सामग्री का वितरण विभिन्न ठक्त द्वारा संचालित संस्थाओ की आवश्ययकतानुसार किया गया. इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत इन संस्थाओ मे अध्यनरत लगभग 500 छात्र-छात्राए लाभान्वित होंगे।

संक्षिप्त डायरी

थाना फतेहपुर पुलिस द्वारा एक जिला बदर गिरफ्तार कर भेजा जेल

संस्कार उजाला

सहारनपुर छुटमलपुर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश अनुसार पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एंव क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण मे जिला बदर चैकिंग के दौरान फतेहपुर थाना प्रभारी धमेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व मे दरोगा आशीष व हैड कांसटेबल रोहित राणा व हैड कांस्टेबल सुनील कुमार के, द्वारा अमजद पुत्र खुर्शीद निवासी फतेहपुर थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर को जो मजिस्ट्रेट के द्वारा 17/03/2024/को 6माह के लिए जिला बदर किया गया था जिसको चैकिंग के दौरान आज उसको चोरी छिपे घरवालों से मिलने आने पर उसको उसी के घर से गिरफ्तार कर धारा 10यू०पी०गुण्डा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायालय मे पेश किया गया है जिस पर पहले से भी करीब दो मुकदमे दर्ज है

फतेहपुर कला में हो रही भागवत कथा मैं मुख्य अतिथि के रूम में पहुंचे ऋतु सैनी

संस्कार उजाला

अजय सैनी सहारनपुर बेहट फतेहपुर कला वासियों ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज की प्रदेश संगठन मंत्री ऋतु सैनी का जोरदार स्वागत किया इस दौरान उन्होंने कहा कि भागवत कथा ऐसे कार्यक्रम करने से समाज में एकता बनी रहती है और ईश्वर को याद करते हुए क्षेत्र की महिलाओं में ईश्वर के प्रति श्रद्धा बनी रहती है जिससे आपस में प्रेम भाव बना रहता है और सामाजिक बुराइयों से छुटकारा मिलता है उन्होंने कहा भागवत कथा सुनने मात्र से ही स्वर्ग की प्राप्ति होती है भागवत कथा कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और पूजा अर्चना कर देश व समाज तथा प्रदेश में तथा गांव की खुशी के लिए सनातन धर्म की तथा संस्कृति की विस्तार से जानकारी मिलती है और सुख समृद्धि के लिए रास्ता निकलता है भागवत कथा का कार्यक्रम प्रधान जयपाल सिंह के यहां था इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर धूम सिंह सैनी ज्ञान सिंह चुन्नीलाल रतनलाल अभिषेक सैनी प्रधान जयपाल पूर्व प्रधान नाथीराम परी सैनी सरोज बाला ओमवती बबीता देवी राजकुमारी प्रियंका देवी अंजली कुमारी निधि सोनिया अंगूरी देवी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे

वन विभाग के कर्मचारी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

संस्कार उजाला

सहारनपुर ब्यूरो (सहारनपुर) के नकुड क्षेत्र के वन विभाग अधिकारी के ऊपर एक ठेकेदार के द्वारा फलदार प्रतिबंधित पेड़ कटवाने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप लगाए गए हैं ठेकेदार का कहना है कि उसके द्वारा फलदार प्रतिबंधित पेड़ काटने के लिए वन विभाग के अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने पैसे लेकर बिना परमिशन के ही पेड़ कटवा दिए बाद में जब प्रतिबंधित फलदार पेड़ काटने की खबर चली तो अधिकारी के द्वारा कटे हुए पेड़ों की गाड़ियों को पड़कर सीज कर दिया ठेकेदार के द्वारा बताया गया कि उससे पैसे भी ले लिए गए हैं और अब दोबारा और पैसों की मांग की जा रही है। सहारनपुर डीएफओ श्वेता सेन ने बताया कि उनके संज्ञान में यह मामला आया है और इसमें निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी जो भी दोषी होगा चाहे वह कर्मचारी हो या ठेकेदार हो उसके ऊपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद जिलाधिकारी व नगर आयुक्त ने किया कांवड़ मार्ग का संयुक्त निरीक्षण कांवड़ शिविरों को प्लास्टिक फ्री रखने हेतु जिलाधिकारी ने किया निर्देशित

संस्कार उजाला

कांवड़ यात्रियों को यात्रा के दौरान ना हो कोई असुविधा: जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह कांवड़ यात्रा हेतु नगर निगम द्वारा युद्ध स्तर पर की जा रही हैं तैयारियां: नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक

गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद कांवड़ यात्रा मार्गों को गड्ढा मुक्त, साफ, सुन्दर एवं यात्रा हेतु सुलभ बनाने के प्रयास के अन्तर्गत जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह और नगर आयुक्त श्री विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा कांवड़ मार्ग का नगर निगम टीम सहित संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों पर बेहतर साफ-सफाई व पेयजल व्यवस्था की जाए। इस दौरान ग्राम भीकनपुर पाइप लाईन रोड पर स्थित नगर निगम द्वारा संचालित ठोस अपशिष्ट प्रोसेसिंग प्लांट का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रोसेसिंग प्लांट की तत्काल अस्थाई बाउन्ड्रीवाल बनाई जाए एवं कावड़ शिविर मार्गों को गढ्ढामुक्त करने हेतु मुख्य अभियन्ता, निर्माण गाजियाबाद नगर निगम को निर्देश दिये गये। मार्ग पर संचालित होने वाले कांवड़ शिविरों को प्लास्टिक फ्री रखने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही शिविरों से नियमित कूड़ा उठान हेतु डोर-टू-डोर वाहन चलाने के निर्देश दिये गए। जिलाधिकारी ने कहा कि कावंड यात्रियों को किसी भी प्रकार से कोई भी असुविधा का सामना ना करना पड़े, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए।नगर आयुक्त श्री विक्रमादित्य मलिक द्वारा अवगत कराया गया कि कांवड़ यात्रा के सम्बंध में नगर निगम द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारी जारी हैं, कांवड़ यात्रा शुरू होने से पूर्व ही नगर निगम से सम्बंधित कांवड़ यात्रियों हेतु सभी सुविधाऐं एवं व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जायेंगी। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अविनेन्द्र कुमार, नगर स्वास्थ अधिकारी डॉ.मिथलेश, जीएम जलकल आनन्द, मुख्य अभियंता निर्माण नरेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

गाजियाबाद मुहर्रम पर गाजियाबाद में ताजिया निकालते

संस्कार उजाला

गाजियाबाद मुहर्रम पर गाजियाबाद में ताजिया निकालते मुस्लिम भाइयों के बीच आजाद समाज पार्टी के गाजियाबाद विधानसभा सदर के प्रत्याशी सत्यपाल चौधरी, राजस्थान प्रभारी इमरान खान, जिलाध्यक्ष मनोज जाटव व साथी. इस अवसर पर आजाद समाज पार्टी के गाजियाबाद सदर उप चुनाव के प्रत्याशी सत्यपाल चौधरी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत का पैगाम यह है की हर स्थिति में हक और इंसाफ के लिए खड़ा होना है, चाहे इसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े, ईमान का तकाजा यही है, मजलूमो की एकता कायम करना और जालिम के आगे सर नहीं झुकनो आइए! हजरत इमाम हुसैन की शहादत से प्रेरणा लेते हुए हम सभी हक और इंसाफ की राह मैं डटे रहे और अपने देश की रक्षा व शोषित वंचित मजलूम समाज की आवाज बुलंद करें

बहुत हो गया...मासिक धर्म अवकाश को लेकर नीति बनाए केंद्र

नई दिल्ली । भारत में अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश का मुद्दा फिर चर्चा में है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने आदेश में केंद्र को निर्देश दिया कि वे राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे। जामिया मिलिया इस्लामिया की मास्टर्स की एक छात्रा हर महीने मासिक धर्म अवकाश की वकालत करने वाली महिलाओं में से एक हैं। छात्रा बताती है कि उन्हें हर महीने मासिक धर्म यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पी.सी.ओ.एस.) की चुनौती से कैसे जूझना पड़ता है। वह बताती हैं पी.सी.ओ.एस. से होने वाला दर्द और तकलीफ बहुत ज्यादा हो सकती है। इसके बाद क्लास में जाना और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना लगभग असंभव होता है। एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत महिलाएं चाहती हैं कि कंपनियां मासिक धर्म अवकाश की अनुमति दें। एक मार्केटिंग पेशेवर महिला ने बताया कि मासिक धर्म के दौरान दर्द और तकलीफ इतनी गंभीर होती है कि काम पर ध्यान केंद्रित करना असंभव होता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में कुछ कंपनियों ने इस मुद्दे को हल करने के लिए कदम उठाए हैं। स्विगी ने बिना किसी सवाल के महीने में दो दिन मासिक धर्म अवकाश नीति लागू की है। स्विगी के अनुसार मासिक धर्म अवकाश या भुगतान किया गया अवकाश प्रदान करना उनके महिला कर्मचारियों की अनूठी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता है, विशेष रूप से वे जो भोजन की डिलीवरी जैसी शारीरिक रूप से कठिन भूमिकाओं में लगी हुई हैं। स्विगी ने कहा कि जब हमने पहली बार मासिक धर्म अवकाश लागू किया, तब सकारात्मक प्रतिक्रिया में अचानक वृद्धि हुई।

चार राज्य में फैला चांदीपुरा वायरस...100 में से 70 बच्चों की हो जाती हैं मौत

नई दिल्ली । देश के चार राज्यों में खतरनाक देसी वायरस चांदीपुर ने अपने पांव पसार लिए हैं। जिससे मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी पुणे को अलर्ट पर रखा गया है। एम्स में पीडियाट्रिक विभाग के पूर्व एचओडी डॉ.एम बाजपेयी ने बताया कि इस वायरस के चपेट में आने से 100 में से 70 बच्चों की मौत हो सकती है। डॉ बाजपेयी ने कहा कि इसमें मोर्टेलिटी 56 से 70 फीसदी तक है। डॉ. बाजपेयी ने बताया कि वायरस में बहुत कम समय में यानी की 24 से 48 घंटे में मृत्यु हो सकती है। इसलिए जरूरी यह है कि हाइजीन का ध्यान रखें। फुल स्लीव्स वाले कपड़े पहने। मच्छरों से बच्चे। जैसे ही लक्षण होता है अस्पताल तुरंत जाएं। इसमें कोई एंटी वायरस थैरेपी नहीं होती है। डॉ.बाजपेयी ने कहा कि जैसे फ्लू के साधारण लक्षण होते हैं इसमें भी लगभग वहीं लक्षण दिखाते हैं, जैसे कि बुखार आता है, सिरदर्द होता है, डायरिया हो सकता है, दौरे भी पड़ सकते हैं, यह ब्रेन को बहुत ही जल्दी पकड़ता है। बहुत जल्दी बच्चा कोमा में चला जाता है और मौत तक हो सकती है। इसलिए इस मौसम में इस तरह के लक्षण आने पर उसे हल्के में ना लें। गुजरात में अपने पांव पसारने के बाद चांदीपुरा वायरस ने महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया है। सभी बच्चों के खून के सैंपल पुणे की राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान भेजे गए हैं। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि जहां चांदीपुर वायरस के फैलाव सामने आया है वहां अब तक 8600 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। यहां पूरे इलाके को 26 जोन में बांटा गया है।

पूजा ने खबरों को बताया भ्रामक बोलीं, जांच में हो जाएगा दूध का दूध और पानी का पानी

मुंबई। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर ने मीडिया के सामने एक बार फिर से बयान दिया है। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बताया कि वो जांच में पूरा सहयोग करेंगी और जो भी निर्णय लिया जाएगा, उसे वो स्वीकार करेंगी। पूजा खेडकर ने पत्रकारों से अपील करते हुए कहा, मेहरबानी कर आप लोग इस संबंध में कोई भी झूठी खबर मत फैलाइए। अगर आप ऐसा करेंगे, तो आम लोगों के बीच में जहां एक तरफ गलत सूचना फैलेगी, वहीं दूसरी तरफ लोग दिग्भ्रमित होंगे। लिहाजा, मेरी आप लोगों से दरख्वास्त है कि आप ऐसा मत कीजिए। पत्रकार और पत्रकारिता को भारतीय लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। राष्ट्र निर्माण में इसकी अहम भूमिका होती है। ऐसे में मेरी अपील है कि जिम्मेदारीपूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन करें। पूजा खेडकर से महिला पुलिसकर्मियों को अपने आवास पर बुलाने के संबंध में जब सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मुझे कुछ निजी काम था, जिसे देखते हुए मैंने उन्हें बुलाया था। बाकी ऐसा कुछ और नहीं था। वहीं, कमेटी की जांच के संबंध में पूजा खेडकर ने कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि कमेटी की जांच को लेकर मैं किसी भी प्रकार की टिप्पणी नहीं कर सकती। उधर, पूजा खेडकर से शैक्षणिक दस्तावेजों के संबंध में भी सवाल किया गया। उनसे सवाल किया गया कि आपके दस्तावेजों से यह साफ जाहिर हो रहा है कि आप अपनी उम्र छुपाते हुए नजर आ रही हैं। इस पर उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी नहीं कर सकती हूं।

विदेश में फंसे 27 मजदूरों को चार माह से नहीं मिला वेतन, अब रोटी के पड़े लाले

रांची। अफ्रीकी देश कैमरून में एल एंड टी कंपनी में मजदूरी करने गए झारखंड के 27 मजदूरों को बीते चार माह से कंपनी ने वेतन नहीं दिया है। ऐसे में उनके पास दो जून की रोटी के भी लाले पड़ रहे हैं। कैमरुन से निकालने के लिए श्रमिकों ने वीडियो जारी अपनी स्थति बयां की है। मूल रूप से हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह के रहने वाले इन श्रमिकों ने भारत सरकार और राज्य सरकार से मदद मांगी है। सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी दुर्दशा व्यक्त करते हुए कहा है कि वे कैमरून में एलएंडटी कंपनी में कार्यरत हैं, लेकिन चार महीने से उन्हें वेतन नहीं दिया गया है। उन्हें वहां ले जाने वाला ठेकेदार भी फरार है। उनके समक्ष भूखों मरने की नौबत आ गई है। विष्णुगढ़ अचलजामो के बिशुन महतो, जोबर के टेकलाल महतो, खरना के छत्रधारी महतो, भीखन महतो, चानो के चिंतामन महतो, गिरिडीह के शुकर महतो, रमेश महतो, विजय महतो, दौलत महतो, बोकारो के मोहन महतो, डेगलाल महतो, गोविंद महतो, चुरामन, जगदीश, मुरारी महतो, लखीराम, पुशन, कमलेश महतो, महेश महतो, दामोदर महतो, मुकुंद नायक, परमेश्वर महतो, अनु महतो, धनेश्वर महतो, शीतल, कुलदीप हांसदा आदि शामिल हैं। मजदूरों ने जारी वीडियो में बताया कि वे सभी 27 लोग एक ठेकेदार के माध्यम से ट्रांसमिशन लाइन में काम करने के लिए 29 मार्च को कैमरून गए थे। एलएंडटी कंपनी में उन्हें काम तो मिल गया, लेकिन वेतन नहीं मिलने से खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। यहां कोई मदद करने वाला नहीं है। इसलिए भारत और झारखंड की सरकार उनके बकाए वेतन का भुगतान कराने और वतन वापसी में मदद करें। इधर, प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने कहा कि सरकार श्रमिकों की वापसी के लिए ठोस पहल करे। पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। सरकार को प्रवासी मजदूरों के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए।

मतदान करने से रोके गए मतदाताओं ने की राज्यपाल से मुलाकात, मिला आश्वासन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हाल में हुए उपचुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने मतदान करने से रोके गए मतदाताओं ने बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मुलाकात की। मतदाताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें उपचुनावों में और लोकसभा चुनावों के दौरान अपने मत का उपयोग नहीं करने दिया। राज्यपाल बोस ने इन लोगों से बातचीत के बाद उन्हें मामले पर गौर करने का आश्वासन दिया। इन लोगों ने नेता प्रतिपक्ष शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात की थी। शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का समय मांगेंगे और इन मतदाताओं को उनके पास ले जाएंगे ताकि वह उन हुए अत्याचारों के बारे में बता सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति देश की संवैधानिक प्रमुख हैं और उन्हें भी जानकारी होनी चाहिए कि पश्चिम बंगाल में क्या चल रहा है। इसे जारी रहने नहीं दिया जा सकता। उनसे मिलने का समय मांगा जाएगा और इनमें से पांच लोगों को उनसे मिलवाने ले जाएंगे।

सबका साथ-सबका विकास' नहीं चाहिए, बंद करो यह नारा, मचा बवाल

-बीजेपी के नेता सुवेंदु अधिकारी के बिगड़े बोल, कहा- हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की जरूरत नहीं

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा के नेता सुवेंदु अधिकारी ने पीएम मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' नारे को लेकर कहा है कि 'सबका साथ-सबका विकास' नहीं चाहिए। पार्टी को तुरंत अल्पसंख्यक मोर्चा भंग कर देना चाहिए। बंगाल के चुनावों में मिली हार और हिन्दुओं पर हो रहे हमले को लेकर यह बयान दिया जिसके बाद सियासी भूचाल आ गया है।

कोलकाता में बीजेपी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए सुवेंदु के बोल बिगड़ गए, उन्होंने कहा कि पाटी को आगे बढ़ाने के लिए अब हमें नया नारा लेकर चलना होगा. 'जो हमारे साथ, हम उनके साथ'। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मैंने राष्ट्रवादी मुसलमानों के बारे में बात की थी और आप सभी ने भी कहा था कि 'सबका साथ, सबका विकास' लेकिन मैं इसे अब और नहीं कहूंगा, बल्कि अब हम कहेंगे 'जो हमारे साथ हम उनके साथ', सबका साथ, सबका विकास बंद करो', अल्पसंख्यक मोर्चे की पार्टी को जरूरत नहीं है।

'सबका साथ, सबका विकास' का नारा पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में दिया था। उन्होंने जाति और धर्म से परे सभी भारतीयों के समान विकास और साथ लेकर चलने की बात कही थी। सुवेंदु का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब वोटिंग पैटर्न के विश्लेषण से पता चला है कि बंगाल में बीजेपी की जीत में अल्पसंख्यक समुदाय बड़ी बाधा बनकर उभरा है। यही वजह है कि? बीजेपी लोकसभा चुनाव में 42 सीटों में से 30 जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी, लेकिन उसे सिर्फ 12 सीट ही मिली। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है।

सुवेंदु ने एक पोर्टल भी लांन्च किया, जिसपर वे मतदाता अपनी शिकायत दर्ज करा पाएंगे, जिन्हें वोट करने से रोक दिया गया, या किन्हीं वजहों से वे वोट नहीं डाल पाए। अधिकारी ने ट्वीट किया, लोकसभा चुनाव में करीब 50 लाख हिंदुओं को वोट नहीं डालने दिया गया। राज्य में हुए चार उपचुनावों में दो लाख से अधिक हिंदुओं को वोट नहीं डालने दिया गया। यह क्या हो रहा है।

माफिया अतीक अहमद की 50 करोड़ की संपत्ति पर योगी सरकार का कब्जा, अपराध की कमाई से खरीदी थी जमीन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में लगभग रू. 50 करोड़ की संपत्ति अपने कब्जे में ले ली, जो मारे गए गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद की थी, जिसे कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों के पैसे से खरीदा गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि अतीक ने अपराध से जुड़ी गतिविधियों के पैसे से 2.377 हेक्टेयर जमीन हासिल की और उसे हुबलाल नाम के राजमिस्त्री के नाम दर्ज करा दिया। अतीक ने यह भी दावा किया कि जरूरत पड़ने पर वह जमीन अपने नाम कर लेगा। नवंबर 2023 में पुलिस ने इस जमीन को जब्त कर लिया। अग्रहरि ने कहा कि पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत संपत्ति जब्त कर ली और जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया। हालाँकि, स्वामित्व का कोई प्रमाण नहीं दिया गया। इसके बाद पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने मामले को प्रयागराज की गैंगस्टर कोर्ट में भेज दिया। न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने पुलिस आयुक्त की कार्रवाई को निष्पक्ष और उचित माना, और संपत्ति आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी गई।

'पीएम को सिर्फ घमंड की परवाह', खड़गे का आरोप, मिशन इंद्रधनुष के तहत नहीं हो रहा बच्चों का टीकाकरण

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'मिशन इंद्रधनुष' कार्यक्रम के तहत टीकाकरण करने में कथित विफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र पर निशाना साधा और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'पीएम केवल घमंड की परवाह करते हैं।' राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने इसे 'मुख्य पाप' करार देते हुए दावा किया कि 2023 में 16 लाख बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (डीटीपी) और खसरे के टीके नहीं दिए गए थे।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सीओवीआईडी महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की सहायता के लिए लगभग आधे आवेदन पीएम केयर्स फंड द्वारा 'बिना कोई कारण बताए' खारिज कर दिए गए। मिशन इंद्रधनुष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान है। 2014 में शुरू की गई योजना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियमित टीकाकरण सेवाएं उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचें जो पहले टीकाकरण से चूक गए थे या टीकाकरण कार्यक्रम से बाहर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव को 'बर्बाद' कर रही है।

मिशन इंद्रधनुष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान है। 2014 में शुरू की गई योजना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियमित टीकाकरण सेवाएं उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचें जो पहले टीकाकरण से चूक गए थे या टीकाकरण कार्यक्रम से बाहर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव को 'बर्बाद' कर रही है।

खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने लाखों बच्चों का टीकाकरण न करके बहुत बड़ा पाप किया है। टीकाकरण की उपेक्षा का अर्थ है बहुमूल्य जीवन की हानि। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव का लाभ मोदी सरकार द्वारा बेशर्मी से बर्बाद कर दिया गया है, क्योंकि 16 लाख बच्चों को 2023 में डिप्थीरिया, टेटनस, और पर्टुसिस (डीटीपी) और खसरे के टीके नहीं दिए गए हैं। 2022 में प्राप्त लाभ को नष्ट करना।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, मीडिया रिपोर्टों से उजागर हुए कोविड अनाथ बच्चों के प्रति रैंक की उदासीनता और घोर तिरस्कार से पता चलता है कि ऐसे बच्चों की सहायता के लिए लगभग 50त्न आवेदन PMCARES फंड द्वारा बिना कोई कारण बताए खारिज कर दिए गए थे! नरेंद्र मोदी जी, अगर हमारे बच्चों की देखभाल नहीं की जाएगी तो हम 'विक्सित भारत' कैसे सुनिश्चित करेंगे? हकीकत में पीएम को सिर्फ घमंड की परवाह है!

महाराष्ट्र में लाड़ली बहना की तर्ज पर लाडला भाई योजना' शुरु

-12वीं पास युवाओं को हर माह 6 हजार, डिप्लोमा पर 8 हजार और ग्रेजुएट को 10 हजार रुपये देगी शिंदे सरकार

मुंबई (एजेंसी)। लाड़ली बहना योजना की तर्ज पर अब शिंदे सरकार 'लाडला भाई योजना' शुरू करने जा रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में यह नई स्कीम शुरू करने की घोषणा की है। सीएम शिंदे आषाढ़ी एकादशी के मौके पर पंढरपुर के विट्ठल मंदिर में दर्शन करने करने आए थे। यहां महापूजा के बाद सीएम शिंदे ने योजना की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री लाडली बहन के बाद 'लाडला भाई योजना' की जानकारी देकर सीएम शिंदे ने बताया कि 12वीं पास करने वाले युवाओं को महाराष्ट्र सरकार हर माह 6 हजार रुपये देगी। वहीं डिप्लोमा करने वाले युवाओं को 8 हजार और ग्रेजुएट युवाओं को 10 हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि युवाओं को एक साल तक किसी फैक्ट्री में अप्रेंटिसशिप करने का मौका दिया जाएगा। इससे युवाओं को काम का अनुभव मिलेगा और अनुभव के आधार पर नौकरी मिलेगी।

दरअसल महाराष्ट्र में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मुख्यमंत्री शिंदे के इस ऐलान को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव के नतीजे में बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी की सत्ताधारी महायुति गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। इसके पीछ बेरोजगारी और युवाओं में बढ़ती नाराजगी को बड़ी वजह बताया गया था। उधर विपक्षी महाविकास आघाड़ी गठबंधन भी लगातार ही बेरोजगारी का मुद्दा उठाता रहा है। इसके बाद शिंदे सरकार के इस ऐलान को विपक्षी के इसी हथियार की तोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

जीतन ने ब्याज पर आरोपियों को दिए थे पैसे, लेनदेन को लेकर हुई हत्या

- सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद मामले में पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश साहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने जांच के बाद दावा किया कि ब्याज पर लिए गए पैसों के लेनदेन को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने घटना के बाद चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ में पुलिस को बड़ी जानकारी हाथ लगी है।

पुलिस के मुताबिक मृतक जीतन साहनी के घर पर सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इसके मुताबिक रात 10.30 से 11 बजे के बीच घर में चार लोग जाते दिख रहे हैं। कुछ देर घर में रहने के बाद सभी बाहर निकले। इनकी पहचान कर इन्हें हिरासत में लिया गया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। इन संदिग्धों के मोबाइल डिटेल्स, मृतक के साथ लेनदेन, देर रात घर में जाने के कारण की पूछताछ की गई है। पूछताछ में अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है।

जांच में पता चला है कि चार में से दो लोगों ने जीतन साहनी से ब्याज पर पैसा लिया था। इनमें से एक ने बाइक जीतन के पास गिरवी रखी है। ये लोग

रात में बाइक छुड़ाने जीतन से बात करने पहुंचे थे। चार में से दो लोगों की पहले भी जीतन से कहासुनी हो चुकी थी। जीतन को सबक सिखाने की धमकी भी दी गई थी। हत्या के पीछे इन विवादों और लेनदेन को मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ा रही है।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की बिहार के दरभंगा जिले में उनके घर में मंगलवार को हत्या कर दी गई थी। दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक टीम मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है। बता दें बिहार सरकार में मंत्री रहे मुकेश सहनी वीआईपी के प्रमुख हैं। वीआईपी विपक्षी गठबंधन इंडिया गठबंधन का सहयोगी दल है।

केंद्रीय कृषि मंत्री का आरोप, झारखंड सरकार से मिल रहा घुसपैठियों को संरक्षण

रांची (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला। रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रखा है। इस वजह से राज्य की डेमोग्राफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा इस विधानसभा चुनाव के बाद यह सरकार फिर आ गई तो यह तय है इस राज्य के मूल निवासी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक हो जाएंगे।

चौहान ने कहा कि इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बचाने के लिए विधानसभा चुनाव में बीजेपी हो जितना जरूरी है। लोकसभा चुनाव में हमने राज्य की 14 में से 9 सीटें जीतीं और 81 में 50 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की।

विधानसभा चुनाव में भी हम 'महाविजय' प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम साधारण परिणाम नहीं है, तभी तो तीसरी बार मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई है। सामने वाले 99 पर खुश हैं। आप इसी पर खुश रहिए, शासन हम चलाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि पांच साल पहले जब राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार थी, उस वक्त राज्य के किसानों को खेती के लिए प्रति एकड़ पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती थी। मौजूदा सरकार ने इसे खत्म कर दिया। उन्होंने महिलाओं के नाम पर पचास लाख तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री मात्र एक रुपए में करने की व्यवस्था लागू की थी। इस सरकार ने महिलाओं से उनकी यह सहुलियत भी छीन ली। पीएम मोदी की सरकार ने राज्य में जल नल योजना के लिए करोड़ों की राशि दी, लेकिन इस सरकार ने उसका दुरुपयोग किया। इस राज्य में जल नल योजना की हालत सबसे खराब है। चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने राज्य में आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार और दंगे की घटनाएं बढ़ी हैं।

पांच जवान शहीद होने के बाद डोडा में मुठभेड़ जारी

जम्मू। मंगलवार को हुए हमले के बाद आतंकवादियों की तलाश के लिए सघन जंगल वाले इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चल रहा है। आतंकवादियों द्वारा किए गए इस कायराना हमले की व्यापक रूप से निंदा की गई है और सेना तथा पुलिस ने कहा है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को मार गिराया जाएगा। इसके बाद बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने कहा कि गोलीबारी उसी स्थान पर हुई जहां मंगलवार को हुई थी। मंगलवार को जिले के भाटा देसा इलाके के ऊपरी इलाकों में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच गोलियां चली थीं। जिसमें एक कैप्टन समेत चार सैनिक और एक स्थानीय पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। जम्मू संभाग के पुंछ, राजौरी, रियासी, कठुआ, रामबन तथा डोडा जिले पिछले दो महीनों से आतंकी हमलों के कारण चर्चा में हैं। पिछले दो महीनों में जम्मू संभाग में करीब एक दर्जन आतंकवादी हमले हो चुके हैं। सुरक्षा बलों तथा खुफिया एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को बहुत गंभीरता से लिया है। खुफिया एजेंसियों ने दावा किया है कि विदेशी आतंकवादियों का एक कट्टर, भारी हथियारों से लैस तथा प्रशिक्षित समूह (जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी हैं), वर्तमान में जम्मू संभाग के घने जंगलों वाले इलाकों में सक्रिय आतंकवादी समूह के तौर पर हमलों को अंजाम दे रहा है। एजेंसी के मुताबिक ये हिट-एंड-रन ऑपरेशन को अंजाम देते हैं तथा फिर निकट के जंगलों में गायब हो जाते हैं।

सियासी अखाड़े में चाचा भतीजे के बीच चल रही जंग में भारी पड़ रहे चाचा

मुंबई (एजेंसी)। बीते कई महीनों चाचा शरद पवार और उनके भतीचे अजीत पवार के बीच सियासी जंग चल रही है। इस अखाड़े में फिलहाल चाचा शरद पवार अपने भतीजे अजीत पवार पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को रायगढ़ की एक सीट पर ही जीत मिली थी। उस हार से संभलकर वह विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर ही रहे थे कि अब 4 बड़े नेताओं ने उनका साथ छोड़ दिया है। पिंपरी चिंचवाड़ के 4 शीर्ष नेताओं ने अजित पवार का साथ छोड़ा है और अब ये लोग उनके चाचा शरद पवार की पार्टी में जा सकते हैं। इस सप्ताह के अंत तक इन लोगों की एनसीपी शरद पवार में एंट्री हो सकती है। पिंपरी चिंचवाड़ यूनिट के अध्यक्ष अजित गवहाने ने अजित पवार को इस्तीफा भेजा है।

उनके अलावा स्टूडेंट विंग के मुखिया यश साने, पूर्व पार्षदों राहुल भोसले और पंकज भालेकर भी पाला बदल की तैयारी में हैं। ये इस्तीफे ऐसे समय में आए हैं, जब खबरें हैं कि अजित पवार खेमे के कई विधायक और नेता अब वापस शरद पवार के साथ जा सकते हैं। पिछले दिनों दिग्गज ओबीसी नेता छगन भुजबल ने शरद पवार से लंबी मुलाकात की थी। उन्होंने मुलाकात की वजह आरक्षण समेत कई मामलों पर चर्चा बताई थी, लेकिन कयास जारी हैं कि वह अजित पवार का साथ छोड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में अजित पवार की स्थिति एनडीए में भी कमजोर होगी और विधानसभा चुनाव में वह ज्यादा सीटों की मांग नहीं कर सकेंगे। शरद पवार और अजित पवार के बीच पार्टी पर दावे को लेकर भी लंबी जद्दोजहद चली थी। अंत में चुनाव आयोग ने अजित पवार खेमे को ही असली एनसीपी माना था। हालांकि चुनाव नतीजों ने अजित पवार को टेंशन दी है। अजित पवार एक तरफ विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, वहीं नेताओं के साथ छोड़ने से उनकी मुश्किल बढ़ गई है। इससे उनकी तैयारियों को भी धक्का लगा है।

बता दें कि शरद पवार ने पिछले महीने ही कहा था कि जिन लोगों ने पार्टी को कमजोर किया है, उन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। हालांकि ऐसे लोगों को वापस लिया जा सकता है, जिन्होंने पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाया है। शरद पवार ने कहा था, जो

लोग पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं, उन्हें नहीं लिया जाएगा। लेकिन संगठन को मजबूत करने वाले ऐसे नेताओं को एंट्री दी जाएगी, जिन्होंने पार्टी की छवि को खराब नहीं किया है। बता दें कि अजित पवार ने बीते साल अपने चाचा से बगावत कर दी थी। वह एनसीपी के करीबी 40 विधायकों को लेकर सरकार का हिस्सा बन गए थे और अब डिप्टी सीएम हैं।

अंबाला में बारिश से जलभराव ; गंदे पानी में चलने को मजबूर हुए लोग, प्रशासन नहीं ले रहा कोई सुध

अंबाला । हरियाणा के अंबाला जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है। सुबह से ही लगातार बारिश हो रही है। पहली बरसात से ही लोगों के मन में डर सताने लगा है। लगातार बारिश होने से अंबाला की सड़कें जलमग्न हो गई है। लोगों को सड़क पर जाने के लिए गंदे पानी से निकलना पड़ रहा है। सड़कों पर पानी आने से लोग नगर निगम को कोसते हुए नजर आ रहे हैं। क्योंकि समय-समय पर अगर नाले नालियों की सफाई होती तो अंबाला की सड़क जलमग्न न होती। वहीं लोगों का कहना है पहली बरसात ने ही जलभराव की स्थिति पैदा कर दी है। थोड़ी सी बरसात से ही अंबाला की सड़कें जलमग्न हो जाती है। सड़के जलमग्न होने से काम पर निकलना मुश्किल हो जाता है। नगर निगम अगर समय-समय पर नाले नालियों की सफाई करवाएं तो अंबाला की सड़कों पर बाढ़ की स्थिति पैदा नहीं होगी।

लोगों के लिए बढ़ रही समस्या- बारिश पड़ने से एक तरफ जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया। वहीं दूसरी तरफ लोगों के लिए समस्या भी बढ़ गई। थोड़ी ही देर की बारिश ने प्रशासन के सभी दावों की पोल खोलकर रख दी। अंबाला की सड़कें और गलियां तालाब बन गई। जलभराव के कारण आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों ने पानी निकासी न होने के करना प्रशासन को खरी खोटी सुनाई। लोगों का कहना है कि प्रशासन को कितनी बार चेताया लेकिन उनके सिर पर जूं तक नहीं रेंगती। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से उचित पानी निकासी की अपील भी की।

स्कूल की मिनी वैन पलटने से हुआ हादसा, 4 बच्चे घायल...लोगों ने शीशे तोड़ बच्चों को निकाला बाहर

पंचकूला। पंचकूला में आज स्कूल की मिनी वैन पलट जाने का मामला सामने आया है जिसमें कई बच्चे घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि स्कूल की हादसे में चार बच्चों को चोटें आई। बता दें कि उक्त हादसा सेक्टर-25 पुलिस चौकी के पास हुआ। जैसे ही हादसा हुआ तो मौके पर लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने तुरंत घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया। जानकारी के अनुसार हादसा बुधवार दोपहर को पंचकूला में सेक्टर 25 पुलिस चौकी के पास हुआ है। मिनी वैन के पलटते ही बच्चों की चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और वैन में फंसे बच्चों को शीशे तोड़ कर बाहर निकाला। स्कूल वैन इतनी बुरी तरह से पलटी की, इसके चारों टायर ऊपर थे और छत जमीन पर लगी थी।

हरियाणा के इस जिले में डेंगू व चिकनगुनिया के मामले आए सामने, 1742 लोगों को दिया गया नोटिस

यमुनानगर । हरियाणा के विभिन्न इलाकों में डेंगू ,चिकनगुनिया एवं मलेरिया के मामले सामने आने लगे हैं। यमुनानगर में भी डेंगू के तीन और चिकनगुनिया के दो मामले सामने आ चुके हैं। वहीं मलेरिया का एक केस रिपोर्ट हुआ है। डॉक्टर सुशीला सैनी ने बताया कि यमुनानगर जिला में डेंगू एवं चिकनगुनिया के पांच मामले सामने आ चुके हैं, जबकि मलेरिया का एक मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को मलेरिया हुआ है वह उत्तर प्रदेश के सीतापुर का रहने वाला है। हमने वहां भी स्वास्थ्य विभाग को इन्फॉर्म किया है। उन्होंने कहा कि डेंगू व चिकनगुनिया के जो मामले सामने आए हैं। वह बाहर के हैं, लेकिन फिलहाल यहां रह रहे हैं। इस मामले में भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी को डेंगू हो जाए और उसके बाद दोबारा से उसे मच्छर काटकर दूसरे व्यक्ति को काट जाए तो उससे भी डेंगू और चिकनगुनिया हो सकता है। इसी को लेकर यमुनानगर के सिविल अस्पताल में एक डेंगू वार्ड बनाया गया है और उसमें सभी तरह के इंतजाम किए गए हैं। मच्छरदानी लगाई गई है, ताकि वहां मच्छर ना आए और किसी दूसरे व्यक्ति में इस तरह से डेंगू का चिकनगुनिया ना फैले। उन्होंने यह भी बताया कि यमुनानगर जिला में रैपिड फीवर सर्वे करवाया जा रहा है, घर-घर जाकर लोगों के सैंपल लिए जा रहे हैं। अभी तक यमुनानगर जिला के शहरी व ग्रामीण इलाकों में 1742 लोगों को नोटिस दिए गए हैं, जहां पानी रुका हुआ था अथवा मच्छर का लारवा मिला। डिप्टी सिविल सर्जन ने लोगों से अपील की कि वह अपने आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। घर में भी गमले में भी पानी रखा है, तो उसे गिरा दें। उन्होंने कहा कि यमुनानगर जिला के सभी अस्पतालों में सभी तरह के इंतजाम है।

अंबाला जाने वाले सवाधान : किसानों के प्रदर्शन के कारण हो सकती है परेशानी, पुलिस का बयान- घेराव किया को तो होगी कड़ी कार्रवाई

अंबाला: हरियाणा के अंबाला में किसान आज स्कऑफिस का घेराव का ऐलान किया है । अबाला में एक बार फिर पुलिस और किसान आमने सामने आ गए। भारी इक्ठ्ठ के कारण अंबाला के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि संयुक्त किसान मोर्चा ने आज किसानों को अंबाला की अनाज मंडी में बुलाया था ।ये घेराव नवदीप की रिहाई को लेकर किया जाना था, लेकिन उसस पहले की उन्हें जमानत दे दी गई। अनाज मंडी पहुंचने से पहले नवदीप जलबेड़ा समेत कई किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने किसानों को इकट्ठा नहीं होने दिया। वहीं भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है. नवदीप जलबेड़ी की गिरफ्तारी के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन की योजना से पहले पुलिस ने मंगलवार को कहा था कि अगर वे अंबाला पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय का घेराव करने की कोशिश करेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि नवदीप को मार्च में किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उन पर दंगा करने और हत्या के प्रयास समेत कई आरोप लगाए गए थे। एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि अगर कोई किसान घेराव में शामिल होता है या बिना अनुमति के किसी जुलूस में हिस्सा लेता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पुलिस किसानों के प्रदर्शन का वीडियो भी बनाएगी ताकि बाद में प्रदर्शनकारियों की पहचान की जा सके।

चाय बनाते हुए महिला को पड़ा दौरा, बेहोश होकर जलते चूल्हे पर गिरी...मुंह, हाथ और पैर झुलसे

पानीपत । पानीपत शहर की एक कॉलोनी में महिला जलते चूल्हे पर गिर गई, जिससे वह झुलस गई। महिला के चीखने की आवाज सुनकर साथ वाले कमरे में से देवर दौड़कर मौके पर पहुंचा, जिसने बेहोशी की हालत में भाभी को झुलसते हुए देखा। आनन-फानन में वह उसे तुरंत सिविल अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे इलाज के लिए भर्ती कर लिया है। महिला के हाथ-पैर और मुंह झुलस गया है। डॉक्टरों के बताया कि महिला 25त्न झुलसी है। पीड़िता महिला ने बताया कि वह मूल रूप से दिल्ली व उसका पति मोनू रोहतक का रहने वाला है। हाल ही में वह पानीपत में भारत नगर में किराए पर रहते हैं। उसका पति पड़ोस में ही बेलदारी का काम करता है। महिला ने बताया कि उसे दौरा आने की बीमारी है। मंगलवार की सुबह करीब 7 बजे उसका पति काम पर गया था। इसके बाद वह चूल्हे पर चाय बना रही थी। एक चूल्हे पर चाय और दूसरे पर सब्जी बनने के लिए रखी थी। इसी दौरान अचानक उसे दौरा आ गया और वह बेहोश होकर जलते चूल्हे पर गिर गई। जिसके बाद उबलती हुई चाय भी उसके ऊपर गिर गई। वह बेहोशी की ही हालत में जलन होने पर चीखने लगी। बिस्तर पर लेटा 9 माह का बेटा सम्राट भी रोने लगा। दोनों की आवाज सुनकर देवर बाबूराम साथ वाले कमरे से आया और वह उसे अस्पताल लेकर पहुंचा।

चुनौतियों से घिरी भाजपा की नैया पार लगाने में जुटे अमित शाह, कोर वोटर को जोड़ने के लिए बना रहे रणनीति

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में हरियाणा में आधी सीट गंवाने वाली भाजपा को हार से उबारने का जिम्मा अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल लिया है। तीन हफ्ते में शाह दो बार हरियाणा का दौरे कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश कर चुके हैं। दक्षिण हरियाणा से उन्होंने पिछड़े वर्ग को साधने का प्रयास किया। इससे पहले वह 29 जून को पंचकूला आए और 4500 से ज्यादा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया।

हरियाणा को गंवाने का रिस्क नहीं उठाना चाहती पार्टी

हरियाणा में शाह के बार-बार आने की बड़ी वजह यह है कि पार्टी किसी भी कीमत पर हरियाणा को हाथ से निकलने देना नहीं चाहती। पार्टी का मानना है कि यदि हरियाणा में विपरीत परिणाम आए तो आगामी सालों में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

हरियाणा में नया है नेतृत्व

दूसरी वजह यह है कि हरियाणा में सरकार व भाजपा नेतृत्व नया है। सैनी को कुर्सी संभाले मात्र चार महीने हुए हैं, जबकि बड़ौली को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हुए मात्र एक हफ्ता। इससे पहले सैनी ही प्रदेश अध्यक्ष का भी प्रभार संभाल रहे थे। ऐसी स्थिति में कोई कमी न रह जाए, इसलिए शाह ने कमान खुद ही अपने हाथों में रख ली है।

कई चुनौतियों से जूझ रही पार्टी

शाह रणनीति बनाने में माहिर माने जाते हैं। चुनावी मैदान में उतरने से पहले शाह ने चुनौतियों से जूझ रही भाजपा के लिए प्लान तैयार कर लिया है। उनकी रणनीति अगड़ी जातियों के साथ पिछड़ी व दलितों की आबादी को साधने की है। वहीं, भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती अपने कोर वोटर को पार्टी के साथ जोड़ना और सत्ता विरोधी लहर को कम करना है। पिछले दो चुनावों में पिछड़ा वर्ग और दलित वोट भाजपा का कोर वोटर रहा है। उन्हें पता है कि यदि इस वर्ग को साध लिया तो पार्टी को हैट्रिक लगाने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। मगर लोकसभा चुनाव के दौरान ओबीसी व दलित वोट बैंक भाजपा से खिसकर कर कांग्रेस की झोली में चला गया था। हालांकि चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने पिछड़ा वर्ग के नायब सिंह सैनी को राज्य का सीएम बना दिया था। मगर फिर भी भाजपा को फायदा नहीं पहुंचा।

लोकनीति सीएसडीएस के मुताबिक लोकसभा चुनाव में भाजपा का 29 फीसदी ओबीसी वोट और दलितों का 34 फीसदी वोट बैंक कांग्रेस के खाते चला गया और इसी वजह से हरियाणा में पार्टी को पांच सीटों का नुकसान भी झेलना पड़ा। इसलिए भाजपा दोबारा से इन वोटों को हासिल करने में जुटी है। शाह की बनाई रणनीति के तहत ही महेंद्रगढ़ में बीसी सम्मेलन कराया गया। शाह ने मंच से कई बार बीसी वर्ग के उत्थान की बात दोहराई। उन्होंने मंच से यह भी कहा कि हमने एक गरीब घर के बीसी के बेटे को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया है। इसके साथ ही मंच से पंचायत व नगर निगम ओबीसी बी वर्ग को पांच फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया।

पिछड़ा वर्ग वोटबैंक पर खास नजर

पिछले दिनों सीएम ने क्रीमिलेयर की सीमा बढ़ाने की घोषणा की थी। उसकी अधिसूचना भी मंच से जारी की गई। हरियाणा में एक अनुमान के मुताबिक राज्य में पिछड़ा वर्ग के करीब 35 से 40 फीसदी आबादी है। अहीरवाल बेल्ट पर पिछड़ों की संख्या अच्छी

खासी है। भाजपा का पिछले दस सालों से इस इलाके में कब्जा रहा है। लोकसभा चुनाव में इस इलाके की दोनों सीट जीतने के साथ भाजपा ने पिछले दिनों कांग्रेस की जाट नेता किरण चौधरी को भी अपने पाले में खींच लिया है। वहीं, सत्ता विरोधी लहर को कम करने के लिए सरकार पुराने फैसलों की समीक्षा कर रही है। जिन फैसलों से लोगों में नाराजगी थी, शाह के निर्देश पर उन फैसलों में संशोधन किया जा रहा है ताकि लोगों की नाराजगी को कम किया जा सके। पिछले दिनों भाजपा सरकार ने कई फैसलों में बदलाव कर लोगों को साधने की कोशिश की है।

पुलिस हिरासत में लिए किसान रिहा, अब शंभू बॉर्डर लौटने को तैयार अन्नदाता

अंबाला। अंबाला में किसानों ने आज इकट्ठा होने की कॉल दी थी। जेल से बीती देर रात नवदीप की रिहाई हो गई थी। आज नवदीप का सम्मान किया जाना था, लेकिन किसानों को पुलिस ने इकट्ठा नहीं होने दिया गया और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। वहीं किसानों और प्रशासन में बातचीत के बाद किसान नेताओं को पांच घंटे बाद रिहा कर दिया गया है, जिसके बाद किसानों ने वापिसी करने का ऐलान कर दिया है। किसान नेताओं की रिहाई धरना स्थल पर ही की गई और इस दौरान किसान नेताओं ने जमकर नारेबाजी की और जबरदस्ती हिरासत में रखने के आरोप लगाए। किसानों का कहना है कि उनके नेता रिहा कर दिए गए हैं। अब वह नवदीप जलबेड़ा को शम्भू बार्डर पर जाकर सम्मान देने का काम करेंगे।

वहीं अंबाला पुलिस ने धारा 163 लागू की हुई है, जिसके तहत एक जगह पर 5 या 5 से ज्यादा लोग

इकट्ठा नहीं हो सकते और किसानों के इस ऐलान के बाद आज सुबह से ही अंबाला अनाज मंडी में पुलिस का कड़ा पहरा है। ज्यादा जानकारी देते हुए एसपी अंबाला ने बताया कि जिले में धारा 163 लगी हुई है, जिसको देखते हुए लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। हालांकि एसपी ने किसानों को हिरासत में लेने की बात पर कहा कि अभी उनसे बात करके उन्हें समझाया जा रहा है।

नवदीप सिंह जलबेड़ा किसान नेता जयसिंह का बेटा है, जो पहले किसान आंदोलन में वाटर कैनन बॉय के नाम से फेमस हुआ था। अंबाला पुलिस ने नवदीप जलबेड़ा पर 13 फरवरी को IPC की धारा 307 और 379-B समेत दूसरी धाराओं के तहत FIR नंबर 40 दर्ज की थी। 28 मार्च को पुलिस ने मोहाली एयरपोर्ट से उसे गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को जमानत मिलने के बाद नवदीप 111 दिन के बाद जेल से बाहर आया। नवदीप की रिहाई के लिए किसान लगातार प्रदर्शन कर रहे थे। किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी थी कि अगर नवदीप को रिहा नहीं किया गया, तो 17 और 18 जुलाई को अंबाला एसपी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया जाएगा, जिसके बाद देर रात नवदीप को छोड़ दिया गया।

कौन है नवदीप जलबेड़ा

किसान आंदोलन में नवदीप जलबेड़ा ने अहम भूमिका निभाई थी। नवदीप ने पुलिस की चलती वाटर कैनन का मुंह किसानों से मोड़कर पीछे पुलिस की तरफ ही कर दिया था। यह वीडियो वायरल हुआ तो किसान आंदोलन में युवाओं ने नवदीप की जमकर तारीफ की थी। यहीं से नवदीप को वाटर कैनन बॉय का नाम दे दिया गया। इसके बाद भी किसानों की आवाज नवदीप उठाते रहे।

इनेलो-बसपा जल्द उम्मीदवारों की करेगी घोषणा, कल मीटिंग में कार्यकर्ताओं के नाम पर बीएसपी करेगी चर्चा

बहादुरगढ़ (एजेंसी)। इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रहे स्वर्गीय नफे सिंह राठी के कार्यालय में बुधवार को इनेलो और बसपा गठबंधन के नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में इनेलो युवा नेता कपूर सिंह राठी और बसपा के प्रदेश महासचिव प्रवीण फतेहपुरी में सरकार पर जमकर निशाना साधा। इतना ही नहीं उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर किसान और कमरे वर्ग की आवास को दबाने का आरोप भी लगाया। बसपा प्रदेश महासचिव प्रवीण फतेहपुरी ने आने वाले विधानसभा चुनाव में इनेलो बसपा गठबंधन की जीत का दावा किया। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव जीतने के बाद प्रदेश के किसान, गरीब, कर्मचारियों, युवाओं और महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए विशेष योजनाएं लागू करने की भी बात कही।

जल्द होगी दावेदारों की घोषणा

बसपा प्रदेश महासचिव प्रवीण फतेहपुरी ने कहा कि दोनों पार्टियों जल्द ही अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करने जा रही है। कल बसपा एक प्रदेश स्तरीय बैठक भी करेगी। जिसमें गठबंधन के तहत मिली 37 सीटों पर चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं के नाम पर भी चर्चा की जाएगी। बता दें कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश में इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का गठबंधन हुआ है और इस गठबंधन के तहत बसपा 37 सीटों और इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी 53 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। लेकिन अब देखना होगा कि इनेलो बसपा गठबंधन प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में कितने वोट हासिल कर पाता है।

भाजपा में जाने से किरण के अपने हुए बेगाने, पूर्व चेयरमैन अजीत फोगाट बोले-अधूरी लड़ाई छोड़कर भाग गईं

चरखी दादरी (एजेंसी)। किरण चौधरी के खासमखास रहे कांग्रेस नेता व पूर्व चेयरमैन अजीत फोगाट ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया है कि किरण के भाजपा में जाने से उनके खास भी बेगाने हो गए। अब वो सब कांग्रेस का झंडा बुलंद करेंगे। फोगाट ने कहा कि किरण अपने स्वार्थ को लेकर भाजपा में भाग गई, जबकि उनके साथ संघर्ष करने वाले कांग्रेसी ना गये और ना ही जाएंगे। इलाके में जनहित की आवाज उठाने के लिए पदयात्रा शुरू की गई है।

कांग्रेस नेता अजीत फोगाट ने अपने समर्थकों व कार्यकर्ताओं के साथ गांव इमलोटा में पदयात्रा का शुभारंभ किया तो गांव-गांव पैदल पहुंचकर पार्टी की नीतियों बारे अवगत करवाया जाएगा। पदयात्रा के शुभारंभ पर कांग्रेस नेता ने कहा कि किरण चौधरी के साथ रहे कांग्रेसी अब पार्टी के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्?डा व पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद कुमारी सैलजा भी शामिल होंगे।

अजीत फोगाट ने कहा कि पिछले 20 साल तक कांग्रेस पार्टी के लिए संघर्ष किया है, इसी बूते व पार्टी में टिकट की दावेदारी भी कर रहे हैं। कांग्रेस का जनाधार बढ़ाने के साथ लोगों की आवाज उठाने के लिए पदयात्रा शुरू की गई है। इसके अलावा जनहित को लेकर लड़ाई जारी रहेगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

मुश्किल में नायब सैनी सरकार- निर्दलीय विधायक नयन पाल रावत नाराज, प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताएंगे अगली रणनीति

चंडीगढ़ । हरियाणा की नायब सैनी सरकार की मुश्किलें फिर से बढ़ सकती हैं। अल्पमत में चल रही सरकार से अब पृथला के निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत नाराज हो गए हैं। निर्दलीय विधायक हरियाणा सरकार के अफसरों की कार्यशैली से खफा हैं। उनका कहना है कि वह इस बारे में वीरवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। रावत ने कहा कि सरकार अफसरों पर लगाम कसने में नाकाम हो रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ही वह अगली रणनीति का खुलासा करेंगे। वहीं, भाजपा के राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि रावत भाजपा का साथ कभी नहीं छोड़ सकते। यह पूरा मामला सीएम के संज्ञान में है। भाजपा के पास अभी 41 विधायक हैं। भाजपा को हविपा के एक और एक निर्दलीय विधायक का समर्थन प्राप्त है। बहुमत का आंकड़ा 45 है। सरकार बहुमत के आंकड़े से दूर है मगर दावा करती आई है।

सीएम सैनी ने अग्निवीरों के लिए किया बड़ा ऐलान, सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण के अलावा मिलेंगी ये सुविधाएं

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 4 वर्ष के बाद सेना से रिटायर होने वाले अग्निवीर जवानों को सरकारी नौकरियों 10 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐलान किया है। चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि यदि कोई अग्निवीर उद्यम लगाने का फैसला करता है तो उसे सरकार द्वारा 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त मदद दी जाएगी। वहीं आर्म्स लाइसेंस भी जवानों को दिया जाएगा। बता दें कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जिसने अग्निवीरों को रिटायरमेंट के बाद 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है।

सीएम ने बताया कि 'हम इन अग्निवीरों को ग्रुप बी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु में 3 वर्ष की छूट प्रदान करेंगे। वहीं अग्निवीरों के पहले बैच के मामले में यह आयु छूट 5 वर्ष की होगी। सरकार ग्रुप सी में सिविल पदों पर सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 5त्न क्षैतिज आरक्षण और ग्रुप बी में 1त्न क्षैतिज आरक्षण प्रदान करेगी। यदि अग्निवीर को किसी औद्योगिक इकाई द्वारा प्रति माह 30,000 रुपये से अधिक वेतन दिया जाता है, तो हमारी सरकार उस औद्योगिक इकाई को प्रति वर्ष 60,000 रुपये की सब्सिडी देगी'

अग्निवीरों के लिए पैरामिलिट्री फोर्स में हो चुका है आरक्षण का ऐलान

बता दें कि अब तक सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (CISF), बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF), सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) और सशस्त्र सीमा बल (SSB) के प्रमुखों ने पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षण का ऐलान किया है। पूर्व अग्निवीरों को अर्धसैनिक बलों में 10त्न आरक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें एज लिमिट और फिजिकल टेस्ट से भी छूट मिलेगी। सीआईएसएफ की डीजी नीना सिंह ने बताया था कि पहले बैच में पूर्व अग्निवीरों को एज लिमिट में 5 साल और दूसरे बैच में 3 साल की छूट होगी।

राहुल गांधी के निशाने पर अग्निवीर योजना

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान अग्नवीर योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने अग्निवीर योजना को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि ये योजना भारतीय सेना का नहीं है। ये योजना प्रधानमंत्री के कार्यालय से बनाई गई है। उन्होंने कहा थी कि 'INDIA' की सरकार बनते ही इसको कूड़ेदान में फेंक देंगे।

इतना ही नहीं लोकसभा में राहुल गांधी ने अग्नीवीर मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा कि सेना में 2 तरह शहीद नहीं होने चाहिए। इस योजना को लेकर नौजवानों के मन में भय है। मोदी जी अग्नीवीरों को शहीद नहीं मानते हैं।

क्या है अग्निपथ स्कीम?

सरकार जून 2022 में अग्निपथ

स्कीम लेकर आई थी। ये युवाओं को डिफेंस से जोड़ने की शॉर्ट-टर्म स्कीम है. सेना, वायु सेना और जल सेना तीनों के आई योजना के तहत भर्ती सैनिकों को नाम दिया गया- अग्निवीर। इसमें सैनिकों की चार साल के लिए भर्ती होती है, साथ ही अगले चार सालों के लिए उन्हें एक्सटेंशन भी मिल सकता है। सर्विस पूरी होने पर 25 फीसदी अग्निवीरों को नियमित सेना में ले लिया जाएगा, जबकि बाकी 75 प्रतिशत को एक बड़ी राशि के साथ, स्किल सर्टिफिकेट दिया जाएगा ताकि वे क्षमता के अनुसार नया काम खोज सकें।

यूपी उपचुनाव को लेकर उट योगी ने बनाई रणनीति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रभारी मंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने हर एक ग्रुप से अलग-अलग उनके क्षेत्र का हाल जाना। वहीं मुख्यमंत्री की तरफ से सभी दसों ग्रुप को यह निर्देश भी दिए गए कि सबको अपने प्रभारी क्षेत्र में हफ्ते में दो दिन तक रात्रि विश्राम करना है। जब तक की चुनाव समाप्त न हो जाए। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी की तरफ से सभी प्रभारी मंत्रियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि हर एक ग्रुप को कार्यकताओं के साथ बात करनी है और सबसे ज्यादा फोकस बूथ को मजबूत करने पर करना है। प्रदेश में कटेहरी, मिल्कीपुर, करहल, फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद, मीरापुर, कुंदरकी व खैर विधानसभा सीटों के अलावा कानपुर की सीसामऊ सीट पर उपचुनाव होना है। करहल, कुंदरकी, कटेहरी, मिल्कीपुर व सीसामऊ सीटों पर जहां सपा का कब्जा रहा है वहीं फूलपुर, खैर व गाजियाबाद सीट भाजपा काबिज रही है। मीरापुर की सीट पर एनडीए के सहयोगी दल रालोद तथा मझवां की सीट पर निषाद पार्टी का विधायक रहा है।

डायट कॉलेज की छात्रा गंग नहर पर आत्महत्या करने पहुंची तो दोस्तों ने बचाया

संस्कार उजाला

बुलंदशहर.नगर के डीएम रोड स्थित डायट की एक प्रशिक्षु छात्रा अपने प्रेमी से खफा होकर आत्महत्या करने के लिए वलीपुरा स्थित गंग नहर पर पहुंच गई। आत्महत्या करने से पहले छात्रा ने अपने दोस्तों को फोन पर जानकारी दी तो उसके दोस्त मौके पर पहुंचे और उसे समझाकर वापस कालेज ले गए। प्राचार्य ने मामले में जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बना दी है। साथ ही छात्रा के परिजनों को अवगत कराते हुए डायट बुलाया है। जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में एक छात्रा पढ़ती है। सोमवार को वह घर से डायट में पहुंची और कुछ समय बाद वहां से निकलकर गंग नहर पर पहुंच गई। छात्रा ने नहर पर पहुंचकर अपने दोस्तों को बताया कि उसके प्रेमी ने उसे धोखा दिया है। इसके चलते वह आत्महत्या करने के लिए वलीपुरा स्थित नहर पर पहुंच गई है। छात्रा के फोन के बाद उसके मित्र वलीपुरा स्थित नहर पर पहुंचे तो छात्रा आत्महत्या करने के लिए खड़ी थी। इसके बाद दोस्तों ने छात्रा को समझाया और उसे वापस लेकर डायट आए। छात्रा को समझाने के दौरान उसके किसी दोस्त ने वीडियो बनाई और सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। पूरे मामले को डायट प्राचार्य व अन्य प्रवक्ताओं ने दबाने का प्रयास किया, लेकिन मंगलवार को पूरा मामला खुला तो तत्काल डायट प्राचार्य ने वीडियो में दिखाई दे रहे प्रशिक्षुओं को बुलाया। इसके बाद छात्रा द्वारा आत्महत्या के लिए कदम उठाने का खुलासा हुआ। प्राचार्य ने मामले में जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है। जो जांच रिपोर्ट प्राचार्य को सौंपेगी।

जहरीले सांप के डसने से किसान की हुई मौत

झाड़ फूंक के चक्कर में किसान को समय से नहीं मिल सका इलाज हुई मौत: डॉक्टर

संस्कार उजाला

बुलंदशहर.अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव खुदरिया निवासी जोग सिंह मीणा उम्र करीब 48 वर्ष पुत्र छतर सिंह मंगलवार को अपने धान के खेत में पानी लगा रहे थे तभी सांप ने उन्हें डस लिया जोग सिंह खेत से अपने घर आए उन्होंने अपने परिजनों को सांप के काटने के बाद बताई परिवार वाले जोग सिंह को लेकर आसपास के गांव में सांप का जहर निकालने वालों के पास घूमते रहे हालत बिगड़ने पर शाम 7:30 बजे दानपुर सीएससी पहुंचे जहां रात्रि 10:00 बजे डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक के भतीजे नरेंद्र पुत्र चरण सिंह ने बताया कि पुलिस ने पंच नामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समय पर इलाज मिल जाता तो जोग सिंह की बच सकती थी जान परिजन डॉक्टर का इलाज कराने की जगह सपेरों पर घूमते रहे हालत बिगड़ने पर परिजन लेकर आए सरकारी अस्पताल दानपुर जहां पर डॉक्टरों मृत घोषित कर दिया इस घटना से परिजनों

में कोहराम मच गया और रो-रो कर बुरा हाल है। बुधवार को परिजनों गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया है।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ संदीप तिवारी फरुर्खाबाद दावत खानें दोस्त के साथ गये युवक की हालत नाजुक होनें पर उसे सीएचसी लाया गयो जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया`जनपद एटा के राजा के रामपुर निवसी 22 वर्षीय मोहित पुत्र राजवीर को गाँव का ही चन्द्रदेव बीते सोमवार की शाम को 6 बजे दावत खिलाने की कहकर ले गया थो रात को मोहित को गंभीर हालत में सीएचसी कायमगंज लाया गयो जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गयो मृतक के भाई दीपक नें हत्या का आरोप लगयो पुलिस को उसकी बाइक अटैंना पुलिया के निकट मिली उपनिरीक्षक रामजीवन ने सीएचसी से पोस्टमार्टम के लिये भेजो मृतक चार भाई थो` बताया गया कि मोहित की बाइक पुलिया से टकरा गयी जिससे घटना हुई

एटा के ग्राम जरोलिया मे भारतीय किसान यूनियन स्वराज का अनिश्चितकलिन धरना

संस्कार उजाला

जनपद एटा के ग्राम जरोलिया मे भारतीय किसान यूनियन स्वराज का अनिश्चितकलिन धरना 21 दिन से चल रहा है अभी तक प्रसासंन ने कोई एक्शन नही लिया जिसमे राष्ट्रीय प्रवक्ता कौशल पंडित और प्रदेश मीडिया प्रभारी दीपक पंडित और राष्ट्रीय संघठन मंत्री दीपक शर्मा मौजूद रहे! जबकि 3 दिन पहले धरने पर बैठी किरण देवी पत्नी राजेंद्र एवं राजेंद्र पुत्र बाबू राम के बेटे वंश पुत्र राजेंद्र उम्र 8 वर्ष की तबीयत भूख से व्याकुल होने के कारण डिहाइड्रेशन में आ गई थी जिसको 108 सेवा द्वारा पीएससी मारहरा पी एच सी निधौली द्वारा जिला चिकित्सालय एटा में एडमिट कराया गया था 2 दिन भर्ती रहने के पश्चात जिला चिकित्सालय टीम ने रिलीफ देखते हुए छुट्टी कर दी थी परंतु आज सुबह फीवर आने के कारण बच्चों की तबीयत में सुधार नहीं हुआ और बच्चों की स्थिति बिगड़ती गई परिवरीजनऔर संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता 'द्वारा 108पर कॉल कर के एंबुलेंस के माध्यम से पीएससी मारहरा ले गए यहां से डॉक्टर की टीम ने मेडिकल कॉलेज एटा के लिए रेफर कर दिया गया है जिसमें बताया गया है कि बच्चे की प्लेट कम होने के कारण बच्चों की स्थिति बिगड़ती जा रही है जिससे किसानों में रोज पैदा हो रहा है

कानून की धज्जियां उड़ाते हुए के साथ रील्स बनाता दिखा युवक

संस्कार उजाला

वायरल वीडियो: पुलिस प्रशासन के लाख कोशिशों के बाद भी आजकल के युवक पुलिस से बिना बेखोफ होकर बिना नंबर प्लेट की गाड़ी के बोनट पर बैठकर,` इ'' फिल्म, के साथ पुलिस का सायरन, और भी पुलिस की लाइटें के साथ रील्स बनाने से बाज नहीं आ रहे है. ताजा मामला गाज़ियाबाद के गोविंदपुरम क्षेत्र की है और रहने वाला सिहानी गेट क्षेत्र मालीवाड़ा का है जो मोहल्ले में भी सभी को परेशान कर रखा है। जिसका वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में आप साफ- साफ देख सकते हैं कि युवक किस तरह बेखौफ होकर ना डर पुलिस प्रशासन का ना ही अपना कुछ बड़ा हादसा भी हो सकता है लेकिन नहीं युवक अपनी रेल बनाने में मस्त है। (वाहन नंबर - DL 10 CK 0565)

गाजियाबाद में एक युवक ने अपनी पत्नी की नाक पर काटा

01.पीड़ित महिला के विरोध करने पर आरोपित ने दी है धमकी।

02.आरोपित पहले भी हत्या की वारदात को दे चुका है अंजाम।

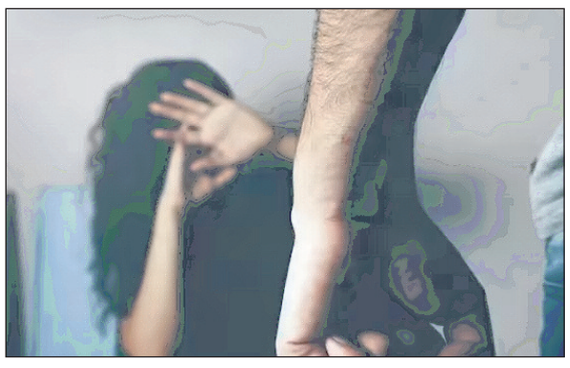

गाजियाबाद के पुराना विजयनगर में रहने वाली एक महिला ने पति समेत ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि पति ने उसकी नाक पर दांत से काटा और धमकी दी। आरोप है कि विरोध करने पर ससुराल वालों ने भी उसको धमकाया है। शिकायतकर्ता आशा किरन ने बताया कि उनकी शादी विरेंद्र कुमार उर्फ बाबी से हुई है। उनके दो बच्चे हैं। ससुराल में उनका उत्पीड़न किया जाता है। आरोप है कि पति ने पूर्व में हत्या की वारदात की है, जिसमें वह इन दिनों जमानत पर जेल से बाहर है। 13 जुलाई को आशा किरन के साथ पति ने मारपीट की और उनकी नाक पर दांत से काट लिया। दोनों बच्चों के सामने गालियां दीं। आरोप है कि इस दौरान सास, ससुर और दोनों देवर यह सब देखते रहे, किसी ने विरोध नहीं किया। इसके बाद पीड़िता ने फोन कर पुलिस से मामले की शिकायत की। पुलिस घर पहुंची और आरोपित को लेकर थाने गई, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया।

भाजपा नेता ने किया फजीर्वाड़ा सभासद ने उठाई कार्यवाही की मांग

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ संदीप तिवारी फरुर्खाबाद पीड़ित भाजपा सभासद महिपाल राजपूत ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जिला उपाध्यक्ष अतुल दीक्षित के फजीर्वाडे का खुलासा कर कार्यवाही किए जाने की पहल की है।नगर पंचायत संकिसा के वार्ड नम्बर 14 बौद्ध नगर के सभासद महिपाल राजपूत ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को शिकायती पत्र भेज कर भाजपा नेता के फर्जी वाडे का खुलासा किया है। सभासद ने आरोप लगाया कि वार्ड नम्बर 15 बिसारी देवी नगर संकिसा की सभासद श्रीमती सीमा दीक्षित के पति अतुल दीक्षित ने मेरी फर्जी मोहर व फर्जी लेटर पैड बनवाये हैं।अतुल मेरे फर्जी हस्ताक्षर एवं मोहर लगाकर पत्र व्यवहार कर रहे हैं। ऐसा ही एक पत्र अतुल दीक्षित द्वारा अपनी पत्नी सभासद सीमा दीक्षित के लेटर पैड पर दिनांक 11 जुलाई 2024 को अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत संकिसा को भेजा है। जिस पर मेरे फर्जी हस्ताक्षर बनाए गए हैं। महिपाल का कहना है कि मैं बोर्ड की बैठक में शामिल हुआ और बोर्ड की कार्रवाई से संतुष्ट हूं। मैं अतुल दीक्षित के पास नहीं गया तो उन्होंने मेरे फर्जी हस्ताक्षर कर मोहर इस्तेमाल की है। मैं इस तरह के काम को पसंद नहीं करता हूं। मुझे संकिसा में विकास चाहिए और विकास कार्य के लिए अध्यक्ष के साथ हूं।मुझे किसी से कोई लेना देना नहीं है। बोर्ड की बैठक हुई थी तब सात लोगों के ही हस्ताक्षर से ज्ञापन दिया था। सभासद महिपाल राजपूत ने मीडिया को बताया कि फजीर्वाडे की जानकारी होने पर मैने अतुल दीक्षित को ऐसा करने से मना किया, किंतु वह मान नहीं रहे हैं। अतुल दीक्षित पूर्व में भी वह कई बार मेरे फर्जी हस्ताक्षर व मोहर का प्रयोग कर चुके हैं। जिसके कारण मुझे को काफी सामाजिक व मानसिक कष्ट पहुंचा है। सभासद महिपाल राजपूत ने अधिशासी अधिकारी से निवेदन किया है कि उपरोक्त व्यक्ति के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की कृपा करें।सभासद महिपाल राजपूत ने फजीर्वाडे के मामले में कार्रवाई करने के लिए थानाध्यक्ष को भी अवगत करा दिया है। मालूम हो की अतुल दीक्षित भाजपा के जिला उपाध्यक्ष है। उन्होंने अपने वार्ड के सभी विकास कार्य अपनी मर्जी के मुताबिक कराने के लिए अध्यक्ष पर दबाव बनाया था अध्यक्ष ने अतुल दीक्षित की मर्जी के मुताबिक कार्य करने से साफ बना कर दिया था। तभी से अतुल दीक्षित ने अध्यक्ष के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है।

यूपी में विधानसभा उपचुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका

लखनऊ। गांव की सरकार चलाने वाले जिला पंचायत की राजनीति में अगले कुछ दिनों तक सरगर्मी रहेगी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और गोसाईंगंज के वार्ड 24 के सदस्य विजय बहादुर यादव फिर से एक बार समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उनके साथ कई ग्राम प्रधानों ने भी सपा की सदस्यता ली। बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यालय में विजय बहादुर यादव को पार्टी की सदस्यता दिलाई। विजय बहादुर यादव पिछले जिला पंचायत चुनाव के पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। पहली बार लखनऊ में भाजपा का जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने में विजय बहादुर यादव की अहम भूमिका थी। विजय बहादुर यादव के सपा में शामिल होने को भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं, भाजपा की मौजूदा जिला पंचायत अध्यक्ष की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वर्ष 2021 में हुए जिला पंचायत के चुनाव में 25 में से सबसे अधिक 11 सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती थीं। इसके अलावा भाजपा ने तीन, बसपा ने पांच, चंद्रशेखर आजाद की पार्टी ने एक और पांच सीटें निर्दलीयों ने जीतीं थीं। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए 13 जिला पंचायत सदस्यों का बहुमत जरूरी था। सपा ने पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय लक्ष्मी को जिला पंचायत अध्यक्ष का उम्मीदवार घोषित किया था। वहीं, भाजपा की ओर से आरती रावत प्रत्याशी बनीं थी। विजय बहादुर यादव की करीबी आरती रावत 13 सदस्यों का समर्थन पाकर जिला पंचायत अध्यक्ष बनीं थी। क्रॉस वोटिंग में सपा के दो सदस्यों ने भाजपा को वोट किया था। विजय बहादुर यादव और उसके बाद उनकी पत्नी माया यादव जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। अखिलेश यादव की विजय बहादुर यादव से नाराजगी इस चुनाव के बाद और बढ़ गई थी। शिवपाल सिंह यादव के करीबी विजय बहादुर यादव ने पिछले दिनों दो बार अखिलेश यादव से मुलाकात की थी।

संक्षिप्त डायरी

क्षेत्राधिकारी संजीव कटियार के मौजूदगी मे कड़ी सुरक्षा साथ निकला गया मुहर्रम का जुलूस

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

संस्कार उजाला

रामगढ सोनभद्र। पन्नूगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रामगढ कस्बे मे चतरा ब्लाक तिराहा पर दसवीं मुहर्रम का जुलूस कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाला गया रामगढ बाजार स्थित महजीद से शानदार ताजिये के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला गया जुलूस में भारी संख्या में महिला पुरुष शामिल रहे। जुलूस में शामिल लोग या अली या हुसैन के नारे लगा रहे थे डीजे की धून पर जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के युवक अखाड़े में लाठी डंडे लेकर विभिन्न प्रकार के हैरत अंगेज कारनामे का प्रदर्शन कर रहे थे तथा या अली या हुसैन के नारे लगाते हुए मातम मना रहे थे जुलूस रामगढ बाजार पटना तिराहा से होते मेन मार्केट के रास्ते कर्बला पन्नूगंज तक गया जहां ताजियों को कर्बला में दफन किया गया इस दौरान जुलूस मेंराजा, टीपू, समीर ,वारसी, जहान बाबा, तेजू अंसारी , नाटे हसन , अकबर , हसनैन, अमीन अंसारी , लालू भाई ग्राम प्रधान बलराज मौर्य आदि मौजूद रहे जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर क्षेत्राधिकारी सदर संजीव कटियार पन्नूगंज थाना निरीक्षक दिनेश प्रकाश पाण्डेय,उप निरीक्षक तेरसू सिंह यादव समेत महिला व पुरुष कांस्टेबल मौजूद रहे।

सपा के राष्ट्रीय सचिव बनाए गए पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा

01.समर्थकों एवं शुभ चिंतकों ने हर्ष जाहिर करते हुए कहा सपा होगी मजबूत

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र।: पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा। सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रॉबर्ट्सगंज के पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा को सपा का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। जिससे समर्थकों एवं शुभ चिंतकों ने हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि इससे सपा मजबूत होगी। बता दें कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सबसे पहले वर्ष 2012 में रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र से युवा प्रत्याशी के ऊपर भरोसा जताते हुए अविनाश कुशवाहा को टिकट दिया था, जिसपर विजय हासिल कर अविनाश कुशवाहा विधायक चुने गए। उसके बाद विधायक के साथ ही सोनभद्र जिले का जिलाध्यक्ष भी बना दिया गया। अपने कुशल नेतृत्व एवं व्यवहार की वजह से अखिलेश यादव के करीबी बन गए। इसी का नतीजा रहा कि इन्हें सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बना दिया गया। अबकी बार 17 जुलाई 2024 को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा का कद बढ़ाते हुए राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। जिससे समर्थकों एवं शुभ चिंतकों ने हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि इससे सपा को मजबूती मिलेगी।

बड़ी धूम धाम के साथ बहराइच वासियों ने मनाया मोहर्रम

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच स्थानीय मोहल्ला काजी कटरा से इस बार भी दसवीं मोहर्रम के अवसर पर बड़ी धूमधाम व जोशों खरोश से आलम ताजिया का जुलूस सुबह 11:00 निकाला गया इस अवसर पर जुलूस के दौरान उपरोक्त मोहल्ले के निवासी मंजूर बहराइची और अनवर बरकती आदि ने नात व मनकबत पेश किया जुलूस के दौरान अंजुमन शोहदाए हुसैन कमेटी मैं शामिल मास्टर मंजूर हसन मास्टर नूरुल हसन अकबर अली शमशाद अहमद सलमानी निहालुद्दीन मास्टर फैजुल बारी रिपोर्टर श्री अब्दुल चाँद जानू मोनू अली नवाज महफूज हसन फैजुल हसन महबूब हसन तनवीर हसन मोहम्मद अहमद अनवारुल हुसैन सद्दाम हुसैन मोहम्मद समीर आदि उपस्थित रहे ताजिया और आलम के जुलूस का समापन शहर की मरकाजी ईदगाह के कब्रिस्तान में हुआ

बीजेपी नेता सरदार तोषित प्रीत ह्यफायर वर्क्स डीलर्स एसोसिएशन के मंडल प्रभारी मनोनीत

संस्कार उजाला

संवाददाता विकास दीक्षित

फरुर्खाबाद बीजेपी नेता और जनपद के पटाखा व्यापारी सरदार तोषित प्रीत को फायर वर्क्स डीलर्स एसोसिएशन का मंडल प्रभारी मनोंनीत किया है जिससे उनके समर्थकों में खुशी की लहर हैशहर के लाल दरवाजा निवासी सरदार तोषित प्रीत को संगठन के प्रवक्ता राकेश कटारिया नें पत्र जारी कर जानकारी दी` इसके साथ ही संगठन नें अन्य जनपदों से भी 17 मंडलों के प्रभारी मनोनीत किये हैं नव मनोनीत मंडल प्रभारी तोषित प्रीत नें बताया कि उन्हें संगठन नें जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरी निष्ठां के साथ निर्वहन करूंगो संगठन को मजबूती देनें और पटाखा कारोबारियों की आनें वाली समस्याओं को निपटानें का पूरा प्रयास किया जायेगो

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011